माघ कृष्ण - 4 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 183 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 29-01-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी अब भगवान का 11 वां अवतार बनना चाहते हैं : खरगे

6 परीक्षा के मामले में स्थिति को सावधानी से हैंडल करें अभिभावक

7 भारत में जनजातीय समुदाय धर्मांतरण प्रयासों के 'निशाने' पर : हिमंत

राजग में लौटे नीतीश कुमार

रिकॉर्ड नौवीं बार ली बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **भाजपा नेता सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी मंत्री पद की शपथ ली। दोनों उप मुख्यमंत्री बनाए गए हैं।**

पटना/भाषा। जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने एकबार फिर से पाला बदलने के बाद रविवार को रिकॉर्ड नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। कुमार ने 'महागठबंधन' और विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन से संबंध विच्छेद करने के बाद भाजपा के साथ मिलकर राज्य में नयी सरकार बनाई, जिससे लगभग डेढ़ साल पहले उन्होंने नाता तोड़ लिया था।

बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राज भवन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा की उपस्थिति में कुमार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। कुमार ने दिन में यह कहते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था कि बिहार में सत्तारूढ़ महागठबंधन और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में उनके लिए ''चीजें ठीक नहीं चल रही थीं''। भाजपा नेता सम्राट चौधरी और विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने भी मंत्री पद की शपथ ली। दोनों उप मुख्यमंत्री बनाए गए हैं।

इससे पहले, चौधरी और सिन्हा को भाजपा विधायक दल का क्रमश: नेता और उपनेता चुना गया। उन्होंने इस अवसर के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया और ''लालू प्रसाद की पार्टी राजद के जंगलराज से बिहार की रक्षा करने का संकल्प लिया।''

जद(यू) नेता विजय कुमार चौधरी, विजेंद्र यादव और श्रवण कुमार के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की अगुवाई वाले हिंदुस्तान अवाम मोर्चा के संतोष कुमार सुमन और निर्दलीय विधायक सुमित सिंह ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्री को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि बिहार में नव गठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार राज्य के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

कर्नाटक के एक गांव में हनुमान ध्वज हटाने पर तनाव

मांड्या/भाषा। कर्नाटक में मांड्या जिले के केरागोडु गांव में रविवार को उस समय तनाव पैदा हो गया, जब अधिकारियों ने 108 फुट ऊंचे स्तंभ से हनुमान ध्वज उतार दिया। इस घटना के बाद राज्य में सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक विवाद शरू हो गया है।

ध्वज उतारे जाने के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जनता दल सेक्युलर (जद-एस) और बजरंग दल के सदस्यों के साथ-साथ गांव और उसके आसपास के लोगों के एकत्र होने पर, एहतियातन बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने ध्वज स्तंभ पर हनुमान ध्वज (भगवान हनुमान की तस्वीर वाले झंडे) की जगह राष्ट्रीय ध्वज लगा दिया।

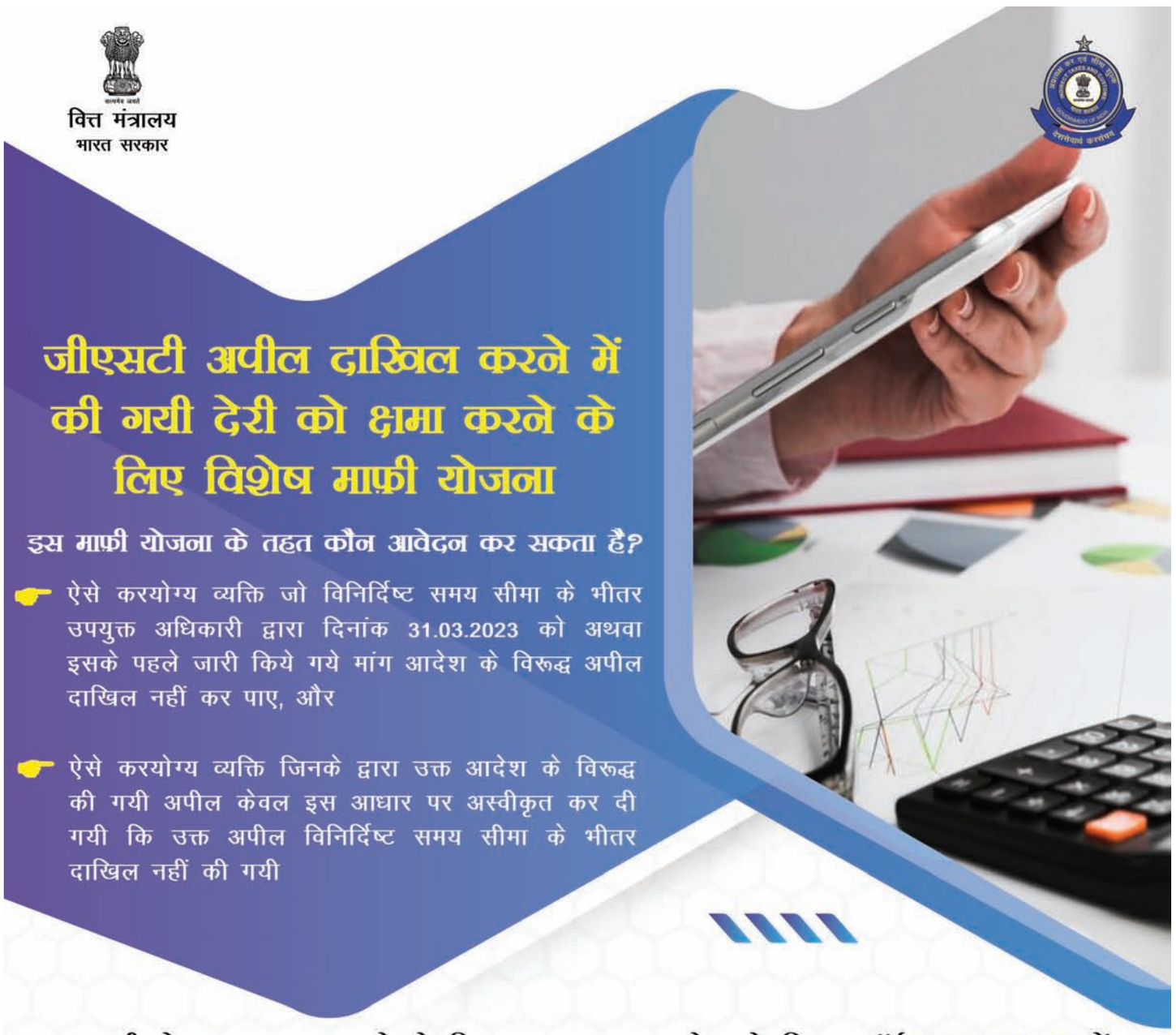

बिन्नी बंसल का फ्लिपकार्ट के निदेशक मंडल से इस्तीफा

नई दिल्ली/भाषा। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट के सह-संस्थापक बिन्नी बंसल ने कंपनी के निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने बयान में यह जानकारी दी। बंसल ने लगभग छह महीने पहले कंपनी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी थी। बंसल ने कहा, मुझे पिछले 16 साल में फ्लिपकार्ट समूह की उपलब्धियों पर गर्व है।

सशक्त न्यायिक प्रणाली विकसित भारत का हिस्सा है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि सरकार वर्तमान संदर्भ को ध्यान में रखते हुए कानूनों का आधुनिकीकरण कर रही है और ये कानून भारत को भविष्य में और मजबूत करेंगे।

उच्चतम न्यायालय की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तीन नए आपराधिक न्याय कानून बनने से भारत की कानूनी, पुलिस और जांच प्रणाली ने एक नए युग में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सैकड़ों साल पुराने कानूनों से नए कानूनों की ओर प्रवेश सुचारू हो। इस संबंध में, हमने सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्य पहले ही शुरू कर दिया है।

मोदी ने उच्चतम न्यायालय से अन्य हितधारकों के क्षमता निर्माण की दिशा में काम करने के लिए आगे आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, सशक्त न्यायिक प्रणाली विकसित भारत का हिस्सा है। सरकार लगातार काम कर रही है और भरोसेमंद न्यायिक प्रणाली बनाने के लिए कई फैसले ले रही है। जन विश्वास विधेयक इसी दिशा में उठाया गया कदम है।

संसद की 'फुलप्रूफ' सुरक्षा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं : बिरला

मुंबई/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि संसद सदस्यों की गरिमा को ध्यान में रखते हुए संसद परिसर की मजबूत और 'फुलप्रूफ' सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। 'अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी' सम्मेलन के बाद मुंबई में पत्रकारों से बातचीत में बिरला ने कहा कि संसद परिसर की मजबूत और 'फुलप्रूफ' सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''परिसर को खतरे और सदस्यों की गरिमा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी।''

29-01-2024 सूर्यास्त 6:08 बजे | 30-01-2024 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
70,700.67	21,352.60
(-359.64)	(-101.35)

सोना	चांदी
6,488 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	77,200 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भारत नीति

हम नहीं समर्थक हिंसा के,
आदर्श हमारे रहे बुद्ध।
हैं विश्व शांति के हम प्रहरी,
मन वचन कर्म से सदा शुद्ध।
जो मानवता पर घात करे,
उन दुष्टों पर ही हुए क्रुद्ध।
योद्धा हैं सबल शक्ति से युत,
पर नहीं चाहते कभी युद्ध।।

सदन की कार्यवाही में व्यवधान लोकतंत्र के लिए कोविड खतरे से कम नहीं : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि चर्चा, जो लोकतंत्र की आधारशिला है, हंगामे में तब्दील हो गई है और सदन की कार्यवाही में व्यवधान लोकतंत्र के लिए कोविड के खतरे से कम नहीं है। धनखड़ ने 84वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों को सदन की मर्यादा सुनिश्चित करने के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधायी निकायों की कार्यवाही में व्यवधान एक ''दुखद परिदृश्य'' है। धनखड़ ने कहा, यह कोई रहस्य नहीं है कि गड़बड़ी और व्यवधान की योजना बनाई जाती है, जिसके लिए बैनर छापे जाते हैं और नारे गढ़े जाते हैं। ऐसी चीजों का हमारी प्रणाली में कोई स्थान नहीं है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिनिधि संस्थाओं और प्रतिनिधियों में जनता के विश्वास का कम होना समाज के लिए ''कैंसर'' है।

धनखड़ ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों को सदन की कार्यवाही पर बारीक नजर रखनी चाहिए और मर्यादा सुनिश्चित करने के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। पीठासीन अधिकारी लोकतांत्रिक स्तंभों के संरक्षक हैं। उन्होंने अफसोस जताया कि (सदन में) अनुशासनहीनता और अशोभनीय व्यवहार की घटनाएं बढ़ रही हैं और व्यवधान डालने में गर्व महसूस किया जाता है। धनखड़ ने कहा, यह परेशान करने वाला परिदृश्य है और इससे बाहर निकलने का रास्ता खोजने के लिए आत्ममंथन की जरूरत है। पीठासीन अधिकारियों के कर्तव्यों में यह सुनिश्चित करना शामिल है कि विधायी प्रक्रिया सार्थक, जवाबदेह, प्रभावी और पारदर्शी हो तथा जनता की आवाज उठायी जाए।

'परीक्षा पे चर्चा' शिक्षा व परीक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने का बहुत अच्छा माध्यम बनकर उभरा: मोदी

नई दिल्ली/भाषा। छात्रों के साथ वार्षिक 'परीक्षा पे चर्चा' से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि यह शिक्षा और परीक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने का बहुत अच्छा माध्यम बनकर उभरा है। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 109वीं और इस साल की पहली कड़ी में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस वर्ष 2.25 करोड़ से अधिक विद्यार्थियों ने कार्यक्रम के लिए पंजीकरण किया है जबकि 2018 में जब यह कार्यक्रम पहली बार आयोजित किया गया था, उस वक्त यह संख्या केवल 22,000 थी। उन्होंने कहा, परीक्षा पे चर्चा' का यह सातवां संस्करण होगा। यह एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसका मैं हमेशा इंतजार करता हूं। इससे मुझे छात्रों के साथ बातचीत करने का मौका मिलता है और मैं उनके परीक्षा सबंधी तनाव को कम करने का भी प्रयास करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रेरित करने और परीक्षा के तनाव के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए बहुत से अभिनव प्रयास भी किए गए हैं। उन्होंने युवाओं और विद्यार्थियों से बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मुझे भी आपसे बात करके बहुत अच्छा लगेगा।

सरकार बेहतर न्यायिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध: कानून मंत्री मेघवाल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि सरकार देश में न्यायपालिका के सहयोग से बेहतर न्यायिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उच्चतम न्यायालय के हीरक जयंती समारोह पर यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेघवाल ने यह भी कहा कि सरकार न्यायपालिका के डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए जोरशोर से काम कर रही है और कहा कि उच्चतम न्यायालय डिजिटल सुनवाई के लिहाज से वैश्विक नेता बन गया है। मंत्री ने कहा कि 40 से अधिक देशों की शीर्ष अदालतें अपना फैसले सुनाते समय भारत के उच्चतम न्यायालय के फैसलों का उल्लेख करती हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की उपस्थिति में कहा, न्यायपालिका के सहयोग और समग्र सरकारी दृष्टिकोण के माध्यम से हम एक बेहतर न्यायिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि देश में लगभग तीन करोड़ मामलों की सुनवाई डिजिटल तरीके से की गई, जबकि शीर्ष अदालत ने अकेले लाखों मामलों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की।

दिग्गज बैंकर राणा तलवार का निधन

नई दिल्ली/भाषा। किसी वैश्विक बैंक का प्रमुख बनने वाले पहले भारतीय राणा तलवार का 76 साल की आयु में निधन हो गया है। वह स्टैंडर्ड चार्टर्ड पीएलसी के प्रमुख रहे थे। सूत्रों ने बताया कि डीएलएफ समूह के मानद चेयरमैन के पी सिंह के दामाद तलवार ने शनिवार को अंतिम सांस ली। उनके परिवार में पत्नी रेणुका और बेटा राहुल हैं।

डीएलएफ के अलावा वे असाही इंडिया ग्लास लिमिटेड और ग्रेट ईस्टर्न एनर्जी कॉरपोरेशन लिमिटेड जैसी विभिन्न कंपनियों के निदेशक मंडल में शामिल हो चुके हैं। डीएलएफ ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी को 27 जनवरी दिन शनिवार को एक गैर-कार्यकारी निदेशक तलवार के दुखद निधन के बारे में सूचित करते हुए खेद है। कंपनी को इसकी सूचना परिवार के सदस्यों ने दी। तलवार का जन्म 1948 में हुआ था। उन्होंने दिल्ली के प्रतिष्ठित सेंट स्टीफेंस कॉलेज से उत्तीर्ण होने के बाद सिटी बैंक से अपना करियर शुरू किया। उनका पूरा नाम गुरविरेंद्र सिंह तलवार था।

लाल सागर संकट से तेल आपूर्ति में व्यवधान नहीं, लागत बढ़ी: जोशी

नई दिल्ली/भाषा। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के चेयरमैन पुष्प कुमार जोशी ने कहा कि लाल सागर में हुती विद्रोहियों द्वारा माल ढुलाई जहाजों पर किए जा रहे हमलों से भारत में कच्चे तेल की आपूर्ति पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि हालांकि, रास्ता बदलकर अपेक्षाकृत लंबे 'केप ऑफ गुड होप' मार्ग अपनाने के कारण माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है।

तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक भारत में रूस से तेल की आपूर्ति लाल सागर मार्ग से होती है। पिछले साल भारत के कुल कच्चे तेल के आयात में रूसी आपूर्ति 35 प्रतिशत से अधिक थी, जो प्रति दिन 17 लाख बैरल थी।

रूसी जहाज और मालवाहक फिलहाल हमलों का मुख्य लक्ष्य नहीं हैं। हालांकि, स्वेज नहर और लाल सागर के माध्यम से आवागमन के बजाय अफ्रीका के दक्षिणी सिरे के आसपास का मार्ग अपनाने से जहाजों को लंबी यात्राएं करनी पड़ रही हैं, जिससे जहाजों की कमी हो गई है और माल ढुलाई लागत में वृद्धि हो गई है।

बजट में 'मोदी की गारंटी' छाए रहने की संभावना: पूर्व वित्त सचिव गर्ग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार के आम चुनाव से पहले पेश किए जाने वाले बजट में 'मोदी की गारंटी' की छाप रहने की संभावना है। इस अंतरिम बजट में मध्यम वर्ग, किसानों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों समेत मतदाताओं के बड़े वर्ग को आकर्षित करने के लिए 'लोकलुभावन योजनाएं' पेश की जा सकती हैं। यह बात पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने रविवार को कही। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार इस गारंटी को पूरा करने के लिए अगर जरूरत हुई, तो राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को लेकर थोड़ी रियायत भी ले सकती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में एक फरवरी को वित्त वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह उनका लगातार छठा बजट होगा। गर्ग ने पीटीआई-भाषा से कहा, वास्तव में, लोकसभा चुनाव से पहले पेश होने वाला अंतरिम बजट, सत्ता में मौजूद पार्टी के लिए मुफ्त एवं लोकलुभावन योजनाओं के जरिये मतदाताओं को आकर्षित करने का एक मौका होता है। वर्ष 2019 में आम चुनाव से पहले पेश अंतरिम बजट में भी हम ऐसा होते हुए देख चुके हैं। उन्होंने कहा, सरकार ने 2019 में मध्यम वर्ग, किसानों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों - को लक्षित किया था। कुल मिलाकर ये लगभग 75 करोड़ मतदाता हैं। ऐसी संभावना है कि सरकार इस बार भी इन मतदाताओं का खास ध्यान रखेगी। उल्लेखनीय है कि उस समय वित्त मंत्री की अतिरिक्त जिम्मेदारी निभा रहे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मध्यम वर्ग को आकर्षित करने के लिए पांच लाख रुपए तक की कर-योग्य आय को आयकर से छूट दी थी। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 12 करोड़ किसानों को सालाना 6,000 रुपए नकद भी उपलब्ध कराने की घोषणा की। इसके अलावा, असंगठित क्षेत्र (पीएम श्रम योगी मानधन -एसवाईएम) से जुड़े 50 करोड़ श्रमिकों को सेवानिवृत्ति पेंशन में सरकारी योगदान का भी प्रस्ताव किया गया था। गर्ग ने कहा, कुल मिलाकर 'मोदी की गारंटी' की छाप इस बार के अंतरिम बजट में भी देखने को मिल सकती है।

बच्चों से दुष्कर्म के मामले वर्ष 2016 से 2022 के बीच 96 फीसदी बढ़े : सीआरवाई का विश्लेषण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बच्चों से दुष्कर्म के मामले वर्ष 2016 से 2022 के बीच 96 फीसदी बढ़े हैं, जिनमें सभी प्रकार के प्रवेशन हमले (पेनिट्रेटिव असॉल्ट) शामिल हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर बाल अधिकार से जुड़े एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'सीआरवाई' ने यह दावा किया है।

इस बढ़ोतरी के संभावित कारणों पर चर्चा करते हुए 'चाइल्ड राइट्स एंड यू' (सीआरवाई) में अनुसंधान और ज्ञान विनिमय के निदेशक शुभेंदु भट्टाचार्जी ने कहा कि बेहतर जन जागरूकता के कारण बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के अधिक मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि समर्पित हेल्पलाइन, ऑनलाइन पोर्टल और विशेष एजेंसियों के माध्यम से बढ़ी हुई पहुंच के साथ-साथ शिकायत दर्ज करने की व्यवस्था के प्रति बढ़े हुए विश्वास ने पीड़ितों और उनके परिवारों को आगे आने और ऐसे मामलों की शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित किया है। सीआरवाई द्वारा किए गए विश्लेषण से पता चला कि वर्ष 2020 को छोड़कर, 2016 के बाद से बलात्कार की घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है। अकेले 2021 और 2022 के बीच, ऐसे मामलों में 6.9% की वृद्धि हुई है। भादसं और विशेष तथा स्थानीय कानूनों के तहत आने वाले सभी प्रकार के प्रवेशन हमलों को शामिल करते हुए की गई विस्तृत पड़ताल के मुताबिक 2016 से 2022 के बीच कुल वृद्धि 96.8% रही। अकेले 2022 में बाल दुष्कर्म और प्रवेशन हमलों के 38,911 मामले दर्ज किए गए, जो 2021 में दर्ज 36,381 मामलों से अधिक हैं।

यात्री वाहनों की बिक्री में उछाल को भुनाना चाहती है टायर कंपनी सिएट

नई दिल्ली/भाषा। टायर बनाने वाली कंपनी सिएट लिमिटेड भारत में यात्री वाहन बिक्री में वृद्धि के अवसर भुनाना चाहती है। कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अर्बन बनर्जी ने कहा कि इससे भविष्य में वाहनों में टायर बदलने (रिप्लेसमेंट) की मांग में भी बढ़ोतरी होगी।

कंपनी अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अमेरिका में यात्री वाहन (पीवी) और ट्रक और बस रेडियल (टीबीआर) टायर बाजार में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी का इरादा अपने अंतरराष्ट्रीय कारोबार को वृद्धि का एक इंजन बनाने का है।

बनर्जी ने पीटीआई-भाषा से कहा, 40 लाख कारों का मतलब अगले दो से तीन वर्षों में टायर मांग में तत्काल वृद्धि होगी। अत: यह एक बहुत अच्छा आंकड़ा है। मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) रिप्लेसमेंट टायर बाजार के लिए बहुत अच्छा संकेत दे रहे हैं।

वह भारत में यात्री वाहनों की बिक्री में वृद्धि के टायर विनिर्माताओं पर प्रभाव से संबंधित सवाल का जवाब दे रहे थे। भारत में पीवी की बिक्री 2023 में 41.08 लाख इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जो 2022 की तुलना में 8.3 प्रतिशत अधिक है।

गुजरात के कच्छ में 4.0 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले में रविवार शाम 4.0 की तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसमें हालांकि जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के अनुसार भूकंप का केंद्र कच्छ जिले के भचाऊ के निकट स्थित था। आईएसआर ने बताया कि भूकंप के झटके रविवार शाम चार बजकर 45 मिनट पर महसूस किए गए और भूकंप का केंद्र भचाऊ से लगभग 21 किलोमीटर दूर उत्तर-पश्चिम में स्थित था। कच्छ के जिलाधिकारी अमित अरोड़ा ने बताया, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। वर्ष 2001 में कच्छ जिले में जबरदस्त भूकंप आया था जिसमें कई कस्बे और गांव प्रभावित हुए थे। इस भूकंप में लगभग 13,800 लोगों की मौत हुई थी और 1.67 लाख लोग घायल हो गए थे।

आप हरियाणा विस चुनाव अपने बूते, पर लोस चुनाव 'इंडिया' के साथ मिलकर लड़ेगी : केजरीवाल

चंडीगढ़/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी आम आदमी पार्टी (आप) हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीट पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन लोस चुनाव विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के हिस्से के रूप में लड़ेगी। लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई में प्रस्तावित हैं जबकि विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने जींद में पार्टी की 'बदलाव जनसभा' में कहा, आज लोगों को केवल एक ही पार्टी पर भरोसा है, जो आम आदमी पार्टी है। एक तरफ उन्हें पंजाब, तो दूसरी तरफ दिल्ली में हमारी सरकार दिखती है। आज हरियाणा एक बड़ा बदलाव चाहता है। इसके पहले दिल्ली और पंजाब के लोगों ने यह बड़ा बदलाव किया था और अब वहां के लोग खुश हैं। केजरीवाल ने कहा कि आप हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीट पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन लोकसभा चुनाव विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के हिस्से के रूप में लड़ा जाएगा। इस कार्यक्रम में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद थे।

दिल्ली के कालकाजी मंदिर में जागरण के लिए बनाया गया मंच गिरने से एक की मौत, 17 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में कालकाजी मंदिर में जागरण के लिए बनाए गए मंच के ढह जाने से 45 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह दुखद घटना देर रात करीब 12.30 बजे हुई। मृतका की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

पुलिस के अनुसार शनिवार को कालकाजी मंदिर के महंत परिसर में जागरण का आयोजन किया गया था और इसमें लगभग 1600 लोग शामिल हुए थे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने महिला की मौत पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने लिखा कालकाजी मंदिर के जागरण में कल रात हुआ हादसा बेहद दुखद है, हादसे में एक महिला की मौत हुई है, ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। घायल हुए 17 लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। उन्होंने लिखा मेरी सभी दिल्लीवासियों से अपील है कि किसी भी तरह के बड़े आयोजन में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखें, व्यवस्था इस प्रकार करें कि कोई भी अप्रिय घटना ना घटे।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) राजेश देव ने बताया, कार्यक्रम के लिए कोई पूर्व अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त कर्मी तैनात किए गए थे। शनिवार रात लगभग 12.30 बजे 1,500-1,600 लोग एकत्र हुए थे।

थरूर ने फिर नीतीश को 'धूर्त और सिद्धांतहीन नेता' करार दिया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बिहार में महागठबंधन से नाता तोड़ने को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए उन्हें एक ''धूर्त और सिद्धांतहीन राजनीतिक नेता'' करार दिया। थरूर ने 2017 का अपना सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया, जब कुमार बिहार में राजद और कांग्रेस की साझेदारी वाले 'महागठबंधन' से अलग हो गए थे और लंबे समय तक तकरार रहने के बावजूद फिर से भाजपा से हाथ मिला लिया था। थरूर ने 2017 में ट्वीट किया था, आज का शब्द! 'स्नोलीगोस्टर' अमेरिका में इसका अभिप्राय एक 'धूर्त, सिद्धांतहीन राजनीतिक नेता' है। इसका पहला ज्ञात उपयोग 1845 में हुआ था और सबसे हालिया उपयोग 26/7/2017 में हुआ। कांग्रेस सांसद ने अपने इस पुराने पोस्ट को टैग करते हुए 'एक्स' पर कहा, यह एहसास नहीं था कि एक और दिन इस शब्द का इस्तेमाल होगा - स्नोलीगोस्टर। हालांकि, उन्होंने नीतीश कुमार का नाम नहीं लिया।

भाजपा के दिलीप घोष ने नीतीश कुमार के पाला बदलने पर कहा, 'राजनीतिक अवसरवादिता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद दिलीप घोष ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फिर से पाला बदलने को ''राजनीतिक अवसरवादिता'' करार देते हुए रविवार को कहा कि इसका अंत होना चाहिए।

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष घोष, नीतीश कुमार द्वारा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस का साथ छोड़कर राज्य में नई सरकार बनाने के लिए भाजपा से हाथ मिलाने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, एक नेता आमतौर पर पांच साल के कार्यकाल के दौरान एक बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेता है;लेकिन नीतीश कुमार ऐसे नेता हैं, जो पांच साल के कार्यकाल में कम से कम दो या तीन बार शपथ लेते हैं, वो भी हर बार अलग-अलग खेमे से। घोष ने कहा, मुझे लगता है कि यह राजनीतिक अवसरवादिता है और अब समय आ गया है जब ऐसी चीजें बंद होनी चाहिए। पश्चिम बंगाल की भाजपा इकाई के प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने घोष के बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने कहा, सच तो यह है कि प्रेम के बिना शादी हमेशा कायम नहीं रह सकती। जनता दल यूनाइटेड (जदयू)-राजद का गठबंधन भी ऐसा ही विवाह था और यह परिणीति तो होनी ही थी। भट्टाचार्य ने कहा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)में लौटकर नीतीश कुमार अपने उस राजनीतिक पापों का प्रायश्चित कर रहे हैं, जो उन्होंने राजग को छोड़कर और लोगों के जनादेश की अवहेलना करके किया था।

उम्मीदवार नहीं होने पर एससी, एसटी, ओबीसी पदों का आरक्षण हटाया जा सकता है: यूजीसी का सुझाव

नई दिल्ली/भाषा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए मसौदा दिशानिर्देशों में सुझाव दिया गया है कि अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) या अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियां इन श्रेणियों के पर्याप्त उम्मीदवार नहीं आने की स्थिति में अनारक्षित घोषित की जा सकती हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए मसौदा दिशानिर्देशों में यह जानकारी दी गई है। 'उच्च शिक्षा संस्थानों में भारत सरकार की आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देश' हितधारकों की आपत्ति और सुझाव के खातिर सार्वजनिक किए गए हैं। मसौदा दिशा-निर्देश में कहा गया, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित रिक्तियां संबंधित उम्मीदवार के अलावा किसी अन्य उम्मीदवार द्वारा नहीं भरी जा सकती। यह भी कहा गया, हालांकि, एक आरक्षित रिक्ति को अनारक्षण की प्रक्रिया का पालन करके अनारक्षित घोषित किया जा सकता है, जिसके बाद इसे अनारक्षित रिक्ति के रूप में भरा जा सकता है।

मराठा आरक्षण पर महाराष्ट्र सरकार के फैसले से मैं सहमत नहीं: केंद्रीय मंत्री नारायण राणे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने रविवार को कहा कि वह महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले से सहमत नहीं हैं, जिसमें कहा गया है कि जबतक मराठों को आरक्षण नहीं मिल जाता है, तबतक उन्हें ओबीसी को मिल रहे सभी लाभ मिलेंगे। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने राणे 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह अन्य पिछड़ा वर्ग (के अधिकारों) में अतिक्रमण होगा तथा इससे महाराष्ट्र में अशांति फैल सकती है।

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा उनकी मांगें मान लिए जाने के बाद शनिवार को अपना अनिश्चितकालीन उपवास खत्म कर दिया था। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने घोषणा की थी कि जबतक मराठों को आरक्षण नहीं मिल जाता, तबतक उन्हें ओबीसी को प्राप्त सभी लाभ मिलेंगे।

राणे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह राज्य सरकार के फैसले को तथा आरक्षण के संबंध में मराठा समुदाय को उसके द्वारा दिए गए आश्वासन को मंजूर नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, इससे ऐतिहासिक विरासत वाले मराठा समुदाय का दमन होगा और यह अन्य पिछड़े समुदायों में भी अतिक्रमण होगा। उन्होंने कहा, इससे राज्य में अशांति फैलेगी। उन्होंने कहा कि वह सोमवार को भी इस मुद्दे पर बोलेंगे। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल ने भी राज्य सरकार के इस फैसले पर असंतोष व्यक्त किया है तथा अन्य पिछड़ा वर्ग में 'पिछले दरवाजे से मराठों के प्रवेश' पर सवाल उठाया है।

कृषक समुदाय 'कुनबी' ओबीसी के अंतर्गत आता है और जरांगे भी सभी मराठों के लिए कुनबी प्रमाणपत्र मांग रहे है। जरांगे मराठों के वास्ते आरक्षण की मांग को लेकर अगस्त से आंदोलन कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी ओबीसी की चिंताएं दूर करने का प्रयास करते हुए कहा है कि मराठों को बिना सबूत कुनबी प्रमाणपत्र नहीं दिया जाएगा।

उप राष्ट्रपति के दौरे से पहले पुडुचेरी सरकार ने सुरक्षा बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी सरकार ने 28 और 29 जनवरी को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की दो दिवसीय यात्रा से पहले सुरक्षा बढ़ा दी है। पुडुचेरी के जिलाधिकारी ई. वल्लवन ने शनिवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 (2) दो दिनों तक लागू रहेगी। इसके तहत ड्रोन या गुब्बारे जैसे हवाई उपकरणों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा।

आदेश के तहत पुडुचेरी और औलगारेट नगर पालिका सीमा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इलाकों को उड़ान निषिद्ध क्षेत्र' घोषित किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि आदेश का कोई भी उल्लंघन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 188 और कानून के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत दंडनीय होगा। उपराष्ट्रपति का आज यहां पुडुचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करने का कार्यक्रम है। वह विश्वविद्यालय के पदेन कुलाधिपति हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि धनखड़ 29 जनवरी को यहां प्रसिद्ध मनकुला विनायकर मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और इसके बाद वह पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के चिदंबरम जाएंगे और भगवान नटराज के मंदिर में प्रार्थना करेंगे। उपराष्ट्रपति बनने के बाद धनखड़ का पुडुचेरी का यह पहला दौरा है।

'इंडि' गठबंधन में सौहार्द के लिए हमने नीतीश के हिंदी प्रेम को बर्दाश्त किया : टीआर बालू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जनता दल यूनाइटेड (जद यू) अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि सिर्फ हिंदी ही बोली जानी चाहिए और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में सौहार्द बनाए रखने के लिए ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने इसे बर्दाश्त किया। द्रमुक नेता टी.आर. बालू ने रविवार को यह बात कही।

यहां कांग्रेस नेताओं के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा के बाद संवाददाताओं को संबोधित कर रहे बालू से जब नीतीश के विपक्षी गठबंधन से अलग होने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि शुरू से ही ऐसा प्रतीत हो रहा था कि उन्हें कुछ दिक्कतें हैं। बालू ने यह भी कहा कि कुमार के इस कदम से विपक्षी गठबंधन को चुनाव में किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा।

विपक्षी गठबंधन 'इंडि' में योजना के मुताबिक काम नहीं होने के बिहार के मुख्यमंत्री के बयान को लेकर पूछे गये एक सवाल पर बालू ने कहा, 'उनकी क्या योजना थी? उन्होंने (नीतीश) किसी योजना का कोई जिक्र नहीं किया। उन्होंने सिर्फ यही कहा था कि हिंदी ही बोली जानी चाहिए और सिर्फ यही योजना थी।'

लोकसभा सदस्य बालू ने कहा, 'उन्होंने (नीतीश कुमार) कहा था कि

सभी को हिंदी में बोलना चाहिए। हमनें इसे बर्दाश्त किया। उसके बाद भी हम गठबंधन में सौहार्द की खातिर एक समझौते के कारण चुप रहे। ऐसा कहा गया कि अंग्रेजी नहीं बोली जानी चाहिए। ऐसा होता रहता है (राजनीति की ओर इशारा करते हुए), इसलिए सब ठीक था।'

द्रमुक नेता ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठकों का संदर्भ दिया, जिनमें नीतीश कुमार हिंदी के उपयोग पर कथित रूप से जोर देते थे। द्रमुक के सचिव आर. एस. भारती ने सवालिया लहजे में कहा, ''इस बात की क्या गारंटी है कि नीतीश कुमार संसदीय चुनाव तक भाजपा गठबंधन के साथ बने रहेंगे? आइए इंतजार करते हैं और देखते हैं।

नीतीश कुमार को 'चंचल दिमाग' करार देते हुए भारती ने कहा कि लोगों के बीच बिहार के मुख्यमंत्री की छवि 'धूमिल' हुई है। भारती ने संवाददाताओं से कहा कि नीतीश कुमार नहीं, बल्कि द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाजपा से मुकाबला करने के लिए सबसे पहले राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों को एक साथ लाने के प्रयास शुरू किए थे।

द्रमुक नेता ने विश्वास जताया कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश (अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी के साथ) में चुनावी समझौते पर सहमति में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की 'सफलता' को अन्य हिस्सों में भी दोहराया जाएगा।

द्रमुक के प्रवक्ता जे. कांस्टेडाइन रवींद्रन ने कहा कि नीतीश कुमार का 'इंडिया' गठबंधन से बाहर होना भाजपा के लिए 'नुकसान' और विपक्षी गठबंधन के लिए 'फायदा' है।

तमिलनाडु में कार और लॉरी की टक्कर में छह दोस्तों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के दक्षिणी तेनकासी जिले में कदयानल्लूर के पास सिंगिलिपट्टी गांव में रविवार सुबह एक कार और लॉरी की टक्कर में छह दोस्तों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यहां पुलिस मुख्यालय से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार कार में सवार सभी छह युवक, तेनकासी के पास पुलियानकुडी गांव के मूल निवासी थे और छुट्टियों में घूमने और कोर्टालिम झरने में स्नान के बाद अपने घर लौट रहे थे। पुलिस सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि दुर्घटना तड़के करीब साढ़े चार बजे हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। पुलिस और अग्निशमन सेवा विभाग के कर्मियों को शवों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। शवों को बाद में पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया।

दुर्घटना के बाद व्यस्त तेनकासी-मदुरै राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात लगभग दो घंटे तक प्रभावित रहा। क्षतिग्रस्त वाहन को मौके से हटाने के बाद यातायात बहाल कर दिया गया। पुलिस ने इस सिलसिले में मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

द्रमुक मंत्री की टिप्पणी से नाराज है तमिलनाडु कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी वरिष्ठ द्रमुक नेता और राज्य के मंत्री राजा कन्नप्पन के एक बयान से नाराज है। दरअसल, उन्होंने कहा था कि कांग्रेस कुछ नहीं कर रही है, बल्कि ज्यादा सीटें मांग रही है। कन्नप्पन ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा था, तमिलनाडु में कांग्रेस लोगों के कल्याण और फायदे के लिए कुछ नहीं कर रही है। इसके बजाय चुनाव के समय वे आते हैं और सीटें मांगते हैं।

तमिलनाडु के लोग कांग्रेस को कोई महत्व नहीं दे रहे हैं क्योंकि पार्टी को केवल चुनावों के मद्देनजर सीटें मांगते हुए देखा गया है। मंत्री का यह भाषण सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि चुनाव की दहलीज पर मंत्री का इस तरह बोलना पार्टी के लिए मुश्किलें पैदा कर रहा है। तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन अच्छी स्थिति में है। द्रमुक के एक वरिष्ठ नेता के इस तरह का गैर-जिम्मेदाराना बयान अच्छे इरादे से नहीं दिया गया।

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि द्रमुक के विपरीत कांग्रेस एक पैन इंडिया पार्टी है और व्यापक गठबंधन के हिस्से के रूप में कांग्रेस को सीटें दी गईं। कांग्रेस पहले ही द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को अपना विरोध बता चुकी है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा और नौ पर जीत हासिल की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री ईवीकेएस इलांगोवन थेनी लोकसभा सीट पर अन्नाद्रमुक उम्मीदवार ओपी रवींद्रनाथन से हार गए। गौरतलब है कि 2019 के आम चुनाव में द्रमुक फ्रंट हारी हुई यह एकमात्र सीट थी।

स्टालिन तमिलनाडु में निवेश आकर्षित करने के लिए विदेश रवाना

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन प्रदेश को 2030 तक एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए शनिवार रात विदेश रवाना हो गए। स्टालिन अपने लगभग 12 दिवसीय दौरे के दौरान, तमिलनाडु को सर्वोत्तम निवेश स्थल के रूप में प्रदर्शित करके प्रदेश में निवेशकों को लुभाने के लिए स्पेन और अन्य देशों का दौरा करेंगे।

स्टालिन की यात्रा इस महीने की शुरुआत में ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट के सफल आयोजन की पृष्ठभूमि में हो रही है, जिसके दौरान एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के हिस्से के रूप में लगभग 600 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे। उन्होंने कहा कि वह स्पेन की यात्रा पर जा रहे हैं और सात फरवरी को चेन्नई लौटेंगे। उन्होंने कहा कि पिछली दो विदेश यात्राओं के दौरान 7,442 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया गया और 17,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला। उन्होंने कहा कि इन दौरों के दौरान हस्ताक्षरित एमओयू को आकार दिया गया है और निवेशकों ने राज्य में अपना कार्य स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि वह यूरोपीय देशों में निवेशकों को लुभाएंगे और उद्योगपतियों के साथ बैठकें और बातचीत करके राज्य के लिए बड़े पैमाने पर निवेश सुनिश्चित करेंगे।

तमिलनाडु में 23.25 करोड़ रुपये के मेथाक्वालोन के साथ दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नारकोटिक्स इंटेलिजेंस ब्यूरो-अपराध जांच विभाग (एनआईबी-सीआईडी) के अधिकारियों ने तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में 23.25 करोड़ रुपये मूल्य की 93 किलोग्राम मेथाक्वालोन जब्त की है और दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी-अपराध एवं प्रवर्तन) महेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि चेन्नई इकाई की एनआईबी-सीआईडी को साइकोट्रॉपिक पदार्थों को ग्रे मार्केट में बेचने के प्रयासों के बारे में एक गुप्त सूचना मिली थी। इस जानकारी के आधार पर एक विशेष अभियान शुरू किया गया और एनआईबी-सीआईडी टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की।

उन्होंने बताया कि शनिवार को उत्तरी चेन्नई के तिरुवोट्टियूर निवासी नीलमेगाम (50) को गिरफ्तार किया गया और 25 किलोग्राम मेथाक्वालोन (एक सफेद क्रिस्टल जैसा पदार्थ) जब्त किया गया। श्री अग्रवाल ने बताया कि टीम ने विल्लीवक्कम क्षेत्र के एक अन्य आरोपी शम्सुदीन (33) को भी गिरफ्तार किया और उसके घर से 68 किलोग्राम मेथाक्वालोन जब्त किया। उन्होंने बताया कि फील्ड टेस्ट किट से की गयी प्रारंभिक जांच में बरामद पदार्थ के मेथाक्वालोन होने का पता चला। यह नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत साइकोट्रॉपिक पदार्थ है। टीम ने कुल 93 किलोग्राम मेथक्वालोन जब्त किया है और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए मादक पदार्थ का बाजार मूल्य लगभग 23.25 करोड़ रुपये है और अंतरराष्ट्रीय मूल्य कई गुना अधिक है। अग्रवाल ने बताया कि इसके अलावा 97 किलोग्राम व्हाइट अमॉर्फस पाउडर भी जब्त किया गया है। प्रयोगशाला परीक्षणों के माध्यम से इस पाउडर की प्रकृति का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एनएनबीओ-सी डेटाबेस ने मामला दर्ज कर लिया है और मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त करने वालों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गयी है।

इसका अंदेशा था : जद(यू) के महागठबंधन से अलग होने पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जद यू) और उसके शीर्ष नेतृत्व पर 'महागठबंधन' से अलग होने और राज्य में नयी सरकार के गठन के लिए भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में फिर से शामिल होने पर रविवार को निशाना साधा और कहा कि इसका अंदेश पहले ही था। खरगे ने साथ ही कहा कि देश में ऐसे कई लोग हैं जो आया राम गया राम हैं।

खरगे ने कहा कि उन्हें पांच दिन पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने जद (यू) के महागठबंधन से बाहर निकलने की योजना के बारे में जानकारी दी थी और तमाम प्रयास किए गए लेकिन नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली पार्टी अलग हो गई। खरगे ने कहा, राजद नेता लालू प्रसाद यादव ने पांच दिन पहले इसके संकेत दिए थे और मैंने उनसे स्थिति के बारे में विस्तार से बातचीत की थी कि संख्या क्या है, उनकी संख्या कितनी है और क्या करना है। यादव ने मुझे कहा कि अगर वे (जद यू) जा रहे हैं तो उन्हें जाने दीजिए....। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि इसके बारे में जानने के बावजूद वह इसका खुलासा नहीं करना चाहते थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इसका ''अंदेशा'' था कि जद (यू) साथ छोड़गी। उन्होंने कहा, इसके संकेत थे...जब मैंने लालू जी और तेजस्वी यादव (बिहार के उपमुख्यमंत्री) से बात की थी तो उन्होंने जिक्र किया था कि जय (यू) साथ छोड़ेगी और हमें (कांग्रेस और राजद) साथ मिलकर लड़ना होगा। उन्होंने कहा, इमें इसकी जानकारी थी लेकिन विपक्षी गुट 'इंडि' को एकजुट रखने के लिए हमने इस पर कुछ नहीं बोला क्योंकि हमें लगा कि अगर हमने कुछ गलत बोल दिया तो गलत संदेश जाएगा। इसलिए जब मुझसे पिछले दो दिन में इस बारे में पूछा गया तो मैं कहता रहा कि मुझे इस संबंध में जानकारी नहीं है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि देश में ऐसे कई लोग हैं जो आया राम, गया राम हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल राजेन्द्र वी आर्लेकर को इस्तीफा सौंप दिया। अधिकारियों ने बताया कि राज्यपाल ने कुमार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और नयी सरकार के गठन तक उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कहा है।

द्रमुक पदाधिकारी की रिश्तेदारों ने की हत्या

चेन्नई। तमिलनाडु सत्तारूढ़ द्रमुक के पदाधिकारी की पारिवारिक झगड़े में हत्या कर दी गयी। पुलिस ने बताया कि यह वारदात देर रात मदुरै जिले के जयहिंदपुरम के पास एम.के. पुरम स्थित उनके आवास पर हुयी। मृतक की पहचान मदुरै के वार्ड 77 के द्रमुक पार्टी के पदाधिकारी पी. थिरुमुरुगन (47) के रूप में हुई है। पदाधिकारी कल रात जब घर जब लौटे तो लगभग दो हथियारबंद लोगों ने उन पर हमला किया और अपराध को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। थिरुमुरुगन की मौके पर ही मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए कहा कि थिरुमुरुगन की हत्या विपक्षी अन्नाद्रमुक से जुड़े उनके रिश्तेदारों ने कई वर्षों से चल रहे एक पारिवारिक झगड़े के बाद की। मदुरै शहर के वार्ड 77 के एआईएआईडीएमके पदाधिकारी थावकुमार की पहचान उनके करीबी सहयोगी के साथ हत्या में प्रमुख संदिग्धों में से एक के रूप में की गई।

समाज सेवा, मानव सेवा ही ईश्वर का कार्य : राज्यपाल गेहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गेहलोत ने कहा कि समाज उन लोगों का आदर और सम्मान करता है जो धर्म, संस्कृति और परोपकार के सही मार्ग पर चलकर मानव सेवा, समाज सेवा और राष्ट्रहित में सर्वेसर्वा की भावना से कार्य करते हैं। उन्होंने विश्व सिंधी सेवा संगम के छठे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में अनेक महान लोग अपने धन-वैभव का त्याग करके देश, समाज तथा धर्म-संस्कृति के हितों को सुदृढ़ करने के लिए सेवा कर रहे हैं। सत्य के संरक्षक एवं दिव्य दृष्टा वरुण देव के इष्ट देव भगवान झूलेलालजी ने कहा कि मनुष्य को अपने हृदय में छुआछूत, धर्म परिवर्तन, भेदभाव और नफरत को त्याग कर एकता, भाईचारा, सद्भाव, दीपा का निर्माण करना चाहिए। उन्होंने सृष्टि के सभी मनुष्यों को एक परिवार के रूप में रहकर समृद्धि के द्वार खोलने और खुशहाली बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने हम सभी से उनके मार्गदर्शन का पालन करने का आह्वान किया।

विश्व सिंधी सेवा संगम की स्थापना दुनिया के सिंधी समुदाय को एकजुट करने और उनके विकास के चरणों को निर्धारित करने के अलावा सिंधी संस्कृति, त्योहारों और भाषा, महिला सशक्तिकरण, वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल को बढ़ावा देने और सराहनीय कार्य करने के उद्देश्य से की गई थी। कार्यक्रम में विश्व सिंधी सेवा संगम के संस्थापक अध्यक्ष गोपाल सज्ननी, राजेशलाल, लक्ष्मण लुधानी आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस को लोस चुनाव में कर्नाटक में 15-20 सीटें जीतने की उम्मीद : मुख्यमंत्री सिद्दरामैया

चित्रदुर्गा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने रविवार को कहा कि कांग्रेस को आगामी लोकसभा चुनाव में राज्य में 15 से 20 सीटें जीतने की उम्मीद है। कर्नाटक में लोकसभा की कुल 28 सीटें हैं। सिद्दरामैया ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव में लगभग 20 सीटें जीतेगी। हम भाजपा की तरह झूठ नहीं बोलते हैं, जो राज्य की सभी 28 सीटें जीतने का दावा कर रही है। हमें लगता है कि हम 15 से 20 सीटें जीत सकते हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हमने कुछ सर्वेक्षण कराये हैं।

भाजपा ने 2019 के लोस चुनाव में कर्नाटक में 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी (मंड्या से सुमलता अंबरीश) ने एक सीट जीती। कांग्रेस और जनता दल (एस) ने 1-1 सीट जीती थी। 2019 के लोस चुनाव के दौरान कांग्रेस और जद (एस) गठबंधन में थे, जबकि इस बार जद (एस) ने लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के साथ गठजोड़ किया है।

सिद्दरामैया ने जिक्र किया अब से पहले जब वह मुख्यमंत्री थे तो सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट, जिसे जाति आधारित गणना'' के रूप में जाना जाता है, तैयार नहीं थी। इसके बाद एचडी कुमारस्वामी नीत गठबंधन सरकार बनी, लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में कुमारस्वामी ने रिपोर्ट स्वीकार नहीं की। फिर सत्ता में आई भाजपा ने भी इसे स्वीकार नहीं किया। अब अगर रिपोर्ट सौंपी जाएगी तो हम उसे स्वीकार करेंगे।

बोर्डों व निगमों में नियुक्तियों ने कर्नाटक कांग्रेस में आंतरिक कलह को दिया बढ़ावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक कांग्रेस की विधायकों को बोर्ड और निगमों में नियुक्त करके खुश करने की रणनीति उल्टी पड़ गई है, कई विधायकों ने नामांकन खारिज कर दिया है और कैबिनेट मंत्री पद की मांग की है। राज्य की राजनीति में आक्रामक हो चुकी बीजेपी इस घटनाक्रम पर पैनी नजर रखे हुए है। विशेषज्ञों के मुताबिक 'ऑपरेशन लोटस' को अंजाम देने में अनुभवी पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा को राज्य बीजेपी मामलों में प्रमुखता मिलने से कांग्रेस को चिंताजनक स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। सूत्र यह भी बताते हैं कि कई वरिष्ठ विधायक और मंत्री लिंगायतों की उपेक्षा, अधिक उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने, 2.5 साल के बाद गार्ड बदलने और आलाकमान की मनमानी के बारे में हानिकारक बयान जारी करते हैं, लेकिन पार्टी प्रतिक्रिया के डर से कार्रवाई नहीं कर रही है। इससे भी ज्यादा पार्टी नेतृत्व को 'ऑपरेशन लोटस' के मंडराते खतरे की चिंता है।

सूत्रों ने कहा कि भारत के साधन संपन्न राज्यों में से एक में अपनी स्थिति को खतरे में डालने की किसी भी संभावना से बचने के लिए, आलाकमान ने शीर्ष नेतृत्व की खुली अवज्ञा को सहन करने और सहने का फैसला किया है। इस कैच-22 स्थिति के बीच, बोर्डों और निगमों में नियुक्तियों को लेकर कांग्रेस विधायकों के विद्रोह ने कर्नाटक में पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने पुष्टि की है कि वरिष्ठ विधायक हंपनागौड़ा बदरली और एस.एन. सुब्बा रेड्डी ने उनकी नियुक्तियों को खारिज कर दिया है। मंत्री पद के प्रबल दावेदार तीन बार के विधायक सुब्बा रेड्डी ने अपने समर्थकों की बैठक बुलाई है और निर्णय लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने नियुक्ति आदेश सीएम कार्यालय को वापस भेज दिया। सुब्बा रेड्डी को कर्नाटक बीज निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

कांग्रेस नेतृत्व पांच बार के विधायक हंपनागौड़ा बदरली को संतुष्ट करने में भी विफल रहा है, जिसने उन्हें राज्य औद्योगिक बुनियादी ढांचा विकास निगम का अध्यक्ष बनाया था। सूत्रों ने कहा कि अकेले उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र में 10 से अधिक विधायक, जिनमें से कई प्रमुख नेता हैं, अपनी नियुक्तियों से नाखुश हैं। अधिकांश विधायक फंड नहीं मिलने से असंतुष्ट हैं क्योंकि कांग्रेस सरकार गारंटी योजनाओं को वितरित करने पर ध्यान केंद्रित करती है। कांग्रेस सरकार ने 26 जनवरी को 34 बोर्डों और निगमों में नियुक्तियों की घोषणा की और जल्द ही बोर्डों और निगमों के लिए 45 की एक और सूची की घोषणा करने की तैयारी कर रही है।

उधर, कांग्रेस के दिग्गज नेता शमनूर शिवशंकरप्पा का बयान है कि येदियुरप्पा के बेटे बीजेपी सांसद बी.वाई. राघवेंद्र आगामी लोकसभा चुनाव जीत जाना चाहिए, ने पार्टी को शर्मसार कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने डैमेज कंट्रोल मोड में कहा कि उनकी पार्टी शिवमोग्गा सीट पर चुनाव लड़ने जा रही है, जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में सांसद राघवेंद्र कर रहे हैं। येडीयुरप्पा और प्रमुख भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के दिग्गज नेता के बयानों का स्वागत किया और शमनूर शिवशंकरप्पा को बधाई दी, इससे कांग्रेस पार्टी काफी नाराज हुई। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के समर्थन वाले कांग्रेस मंत्रियों ने हाल ही में आलाकमान की मनमानी को चुनौती दी और उसकी आलोचना की, जिसे राज्य में सत्ता परिवर्तन के संबंध में आने वाले दिनों में सामने आने वाले घटनाक्रम के अग्रदूत के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि मौजूदा नियुक्तियों में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया का पलड़ा भारी है और आलाकमान को उनकी बात माननी पड़ी। राजनीतिक हलके भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के वफादारों द्वारा राष्ट्रीय नेतृत्व की मनमानी पर आपत्ति उनके खिलाफ किसी भी कदम पर पार्टी आलाकमान के लिए एक सूक्ष्म संदेश है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार, जो मुख्यमंत्री बनने के लिए धैर्यपूर्वक अपना दावा पेश करने का इंतजार कर रहे हैं, और लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए सबसे अधिक सीटें जीतने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, आंतरिक कलह को प्रबंधित करके कार्य हासिल करने के प्रति आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा कि बोर्डों और निगमों में नियुक्तियां सभी की राय को ध्यान में रखकर ही की जाती हैं। शिवकुमार ने यह भी कहा कि विपक्ष के कई लोग हैं, जो कांग्रेस के प्रति निष्ठा बदलना चाहते हैं।

सूत्रों ने कहा कि भाजपा कांग्रेस पार्टी के घटनाक्रम से खुश है और लोकसभा चुनाव के बाद सत्तारूढ़ सरकार को गिराने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पार्टी कर्नाटक में 'ऑपरेशन लोटस' में शामिल नहीं हो रही है। लेकनि राजनीतिक हलकों ने कहा कि यह कांग्रेस के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए, क्योंकि राजनेता अक्सर जो करना चाहते हैं, उसके विपरीत कहते हैं। विजयेंद्र ने जद (एस)-कांग्रेस सरकार के पतन को सुनिश्चित करने और 2019 में अपने पिता येडीयुरप्पा को मुख्यमंत्री पद पर नियुक्त करने में प्रमुख भूमिका निभाई। महाराष्ट्र में जिस तरह से शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस गठबंधन सरकार को खत्म किया गया था, उसी तरह से बीजेपी ने कांग्रेस सरकार को खत्म करने पर बहुत पहले ही काम शुरू कर दिया था। निकट भविष्य में होने वाली घटनाओं को लेकर दोनों खेमों में असमंजस की स्थिति है।

ईआरसीपी पर मध्यप्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों ने चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव लंबे समय से लंबित पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के बारे में चर्चा करने के लिए रविवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलने जयपुर पहुंचे। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दोनों सरकारें लोगों की पेयजल और सिंचाई के पानी की समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। शर्मा ने संवाददाताओं से बातचीत में ईआरसीपी परियोजना को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''किसी काम को करने के लिए इच्छा शक्ति हो तो वह काम परिणिति तक पहुंचता है.. लेकिन उन्होंने (कांग्रेस ने) इस पर राजनीति के अलावा कुछ नहीं किया।''

उन्होंने कहा, दोनों राज्य सरकारों के संयुक्त प्रयास से इस परियोजना से राजस्थान के 13 जिलों में लोगों को पीने का पानी और 2.80 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। कई अन्य संबंधित विषयों जैसे उद्योग, वन क्षेत्र, को भी इससे लाभ मिलेगा।'' उन्होंने कहा , ''प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने जो राजस्थान की जनता से वादा किया और

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने वहां की जनता से जो वादा किया, उसे निश्चित रूप से जल्द ही हम अंतिम चरण तक पहुंचाएंगे। कुछ प्रमुख मुद्दे हैं, जिनका निराकरण होगा।

यादव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोगों के हित के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''जब यह योजना पूरी हो जायेगी तो हमने इससे कई क्षेत्रों में काम करने का निर्णय लिया है। बडे पैमाने पर पर्यटन की संभावना रहेगी और औद्योगिक निवेश का एक बडा क्षेत्र तैयार होगा, पेयजल की समस्या हल होगी। जो सूखे क्षेत्र हैं, उनको लाभ मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि दोनों प्रदेश लाभान्वित होंगे।'

उन्होंने कहा कि इस परियोजना से मध्यप्रदेश के शिवपुरी, भिंड, मुरैना, गुना, ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन और देवास जिलों में न केवल पेयजल की और औद्योगिक जरूरतों की पूर्ति करेगी बल्कि काफी बडे पैमाने पर जो सात बडे बांध बनेंगे उनसे लोगों को फायदा होगा । उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दे लंबित हैं और दोनों राज्यों के अधिकारियों के स्तर पर बातचीत जारी है और जल्द फैसला हो जाएगा। इससे पहले यादव ने जयपुर हवाई अड्डे पहुंचने पर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा था कि वह पार्वती, चंबल और काली सिंध नदियों के जल बंटवारे पर फैसला लेने आए हैं, जिससे दोनों राज्यों और लाखों किसानों को फायदा होगा। यादव ने कहा, मध्य प्रदेश सरकार और राजस्थान सरकार पार्वती, चंबल और काली सिंध के लंबे समय से लंबित नदी जल वितरण के संबंध में कुछ निर्णय लेने जा रही हैं।

पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों-- झालावाड़, बारां, कोटा बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर और धौलपुर में पीने और सिंचाई के पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए भाजपा सरकार द्वारा राज्य बजट 2017-18 में एक महत्वाकांक्षी पेयजल और सिंचाई जल परियोजना ईआरसीपी की घोषणा की गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने केंद्र से ईआरसीपी को राष्ट्रीय महत्व की परियोजना घोषित करने की मांग की थी। यादव ने विकास लाभ के मुद्दों पर राज्यों को नेतृत्व प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया।

गणतंत्र दिवस समारोह में नशे की हालत में पहुंचे प्रधानाचार्य निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में नशे की हालत में पहुंचे एक सरकारी स्कूल के प्रधानाचार्य को निलंबित कर दिया गया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के मुताबिक, परबतसर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में तैनात प्रधानाचार्य अरविंद कुमार पर ब्लॉक स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में नशे की हालत में पहुंचने का आरोप है।

बयान में बताया गया कि मामला सामने आने के बाद जिलाधिकारी आशीष मोदी ने प्रधानाचार्य को निलंबित कर दिया। विभाग ने शनिवार को एक आदेश जारी कर बताया कि निलंबन अवधि के दौरान अरविंद कुमार संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा) कार्यालय भरतपुर में तैनात रहेंगे। बयान के मुताबिक, जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य के खिलाफ विभागीय जांच का भी आदेश दिया।

राजस्थान में एक बार फिर सभी 25 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करेंगे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को यहां विश्वास जताया कि पार्टी राज्य में एक बार फिर राज्य की सभी 25 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में भारत व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता बढ़ी है। त्रिवेदी आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारी को लेकर यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में मीडिया एवं सोशल मीडिया कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

पार्टी के बयान के अनुसार, राज्यसभा सदस्य त्रिवेदी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी इस काल को अमृतकाल इसलिए कहते हैं कि क्योंकि उनके नेतृत्व वाली सरकार ने देश में मानसिक गुलामी से आजादी दिलाई है। आज भारत आर्थिक वृद्धि दर में आगे बढ़ रहा है तो वहीं विश्व में भारत और प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता बढ़ रही है। उन्होंने कहा, 'तीसरी बार केंद्र में भाजपा सरकार बनने जा रही है और राजस्थान की जनता लगातार तीसरी बार भाजपा को लोकसभा की 25 सीटें जिताने का मन बना चुकी है। तीन बार 25 सीटें जीतने पर तीनों का योग हुआ 75 तो हम यह मान सकते हैं कि राजस्थान अमृत महोत्सव मनाने जा रहा है।' इस दौरान उन्होंने नव मतदाताओं को साधने पर भी बल दिया। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने कहा कि भाजपा के पास जो विजन है वह देश की किसी पार्टी के पास नहीं है और हमारा लक्ष्य सभी 25 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करना है। उन्होंने कहा, 'मीडिया के क्षेत्र में कंटेंट सबसे महत्वपूर्ण चीज होता है। हमें प्रधानमंत्री मोदी के 10 साल के ऐतिहासिक कार्यों को लेकर जनता के बीच जाना है।' मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता को जो दायित्व पार्टी की ओर से दिया जाता है उसे पूरी लगन और मेहनत के साथ पूरा करें। उन्होंने कहा, 'हमें संगठित होकर काम करना है और प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करनी है।'

डीग पहाड़ी के सुजात के खोला में भारी मात्रा में मेसेनरी स्टोन का हुआ अवैध खनन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ चलाये जा रहे राज्यव्यापी अभियान के दौरान खान विभाग की दो अलग अलग टीमों द्वारा तिजारा के पास हसनपुरा माफी और डीग के पास पहाडी क्षेत्र के सुजात का खोला में की गई बड़ी कार्यवाही में मेसेनरी स्टोन के चार लाख 93 हजार 170 टन से अधिक का अवैध खनन पकड़ा है। विभाग द्वारा नियमानुसार सब मिलाकर 21 करोड़ 13 लाख से भी अधिक की शास्ती लगाई है।

खान सचिव श्रीमती आनन्दी ने बताया कि गोपनीय तरीके से प्राप्त सूचना पर अन्य स्थान से टीम भेजकर जांच कराने का निर्णय किया और जयपुर एसएमई प्रताप मीणा को टीम बनाकर पहले अलवर पहुंचने के निर्देश दिए गए। इसके बाद एसएमई प्रताप मीणा व उनकी टीम के सदस्य एमई जयपुर श्रीकृष्ण शर्मा, एमई विजिलेंस पुष्पेन्द्र सिंह मीणा की टीम को वहां से खैरथल तिजारा के पास हसनपुरा माफी इलाके में अवैध खनन की जांच के लिए गोपनीय तरीके से भेजा गया। प्रताप मीणा और उनकी टीम ने खनन पट्टों के गेप क्षेत्र में 6 प्रकरणों में चेजा पत्थर का दो लाख 1 हजार टन अवैध खनन पाया। टीम द्वारा विस्तृत जांच के बाद अवैध खनन की 8 करोड़ 87 लाख की शास्ती लगाई गई है।

इसी तरह से पहाड़ी डीग के सुजात के खोला में अवैध खनन की नियंत्रण कक्ष में प्राप्त एक शिकायत की जांच के दौरान एमई राम निवास मंगल और उनकी टीम ने अवैध खनन के सात प्रकरण दर्ज करते हुए भारी मात्रा में अवैध खनन को पकड़ा है। एमई रामनिवास मंगल ने बताया कि सात प्रकरणों में मेसेनरी स्टोन का 2 लाख 92 हजार 170 टन अवैध खनन पाया गया। इस पर विभाग द्वारा नियमानुसार 12 करोड़ 26 लाख रुपये की शास्ती लगाई गई है।

इससे पहले नागौर के मूंडवा के पास सिलिकान सेंड के अवैध खनन के बड़े मामले की गोपनीय जानकारी मिलने पर अजमेर एसएमई पीआर आमेटा से औचक निरीक्षण करवा कर लीज जारी होने से पहले ही अवैध खनन के बड़े मामलें का भण्डाफोड किया गया है। राज्यव्यापी अभियान के तहत समूचे प्रदेश में कार्यवाही जारी है।

विभाग द्वारा जहां एमई-एएमई द्वारा संयुक्त जांच अभियान के तहत जिला कलक्टर के मार्गदर्शन में कार्यवाही की जा रही हैं। वहीं राज्य सरकार द्वारा एसएमई स्तर के अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्रों में औचक निरीक्षण करते हुए खनन क्षेत्रों में अवैध खनन गतिविधियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य सचिव सुधांश पंत द्वारा नियमित रुप से अभियान प्रगति की समीक्षा की जा रही हैं वहीं नियंत्रण कक्ष में प्राप्त शिकायतों पर 24 घंटें में कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। डीएमजी डॉ. प्रज्ञा केवलरमानी द्वारा मुख्यालय स्तर पर समीक्षा की जा रही है।

अतिरिक्त निदेशक विजिलेंस योगेन्द्र सिंह महवाल और नियंत्रण कक्ष प्रभारी एसएमई एसपी शर्मा द्वारा विश्लेषण किया जा रहा है।

राजस्थान के सभी सरकारी स्कूलों में 15 फरवरी को 'सूर्य नमस्कार' आयोजित किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में 15 फरवरी को 'सूर्य सप्तमी' पर सभी सरकारी स्कूलों में सामूहिक 'सूर्य नमस्कार' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देश के बाद माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक आशीष मोदी ने एक आदेश जारी कर सभी मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों को सुबह की प्रार्थना में 'सूर्य नमस्कार' कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य 15 फरवरी को सभी स्कूलों में छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों द्वारा सामूहिक 'सूर्य नमस्कार' आयोजित करके विश्व रिकॉर्ड बनाना है।

मोदी ने बताया, स्कूलों में 'सूर्य नमस्कार' का अभ्यास पहले ही शुरू हो चुका है। सभी छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने माता-पिता और शिक्षकों के साथ 'सूर्य नमस्कार' करें। उन्होंने कहा कि आयोजन 'सूर्य सप्तमी' पर एक दिन के लिए किया जा रहा है और अगर सरकार निर्देश देगी तो 'सूर्य नमस्कार' के स्वास्थ्य लाभ को देखते हुए इसे नियमित अभियान बनाने के लिए आगे आदेश जारी किए जाएंगे।

मोदी ने कहा कि 23 जनवरी को जारी आदेश में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि शिक्षकों और छात्रों को योग्य प्रशिक्षकों द्वारा 'सूर्य नमस्कार' का प्रशिक्षण दिया जाए। निदेशक ने कहा कि 15 फरवरी को सभी स्कूलों में छात्र, अभिभावक, शिक्षक, ग्रामीण एक साथ 'सूर्य नमस्कार' कर विश्व रिकॉर्ड बनाएंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा अधिकारियों को 15 फरवरी को दोपहर दो बजे तक प्रतिभागियों की संख्या के बारे में अद्यतन जानकारी भेजने के लिए भी कहा गया है।

राजस्थान में न्यूनतम तापमान में वृद्धि के साथ कडाके की सर्दी से राहत

जयपुर। राजस्थान में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में वृद्धि के साथ प्रदेश में पड रही कड़ाके की सर्दी से कुछ राहत मिली है। मौसम विभाग के प्रवक्ता के अनुसार रविवार को अलवर 5.2 डिग्री सेल्सियस के न्यूनतम तापमान के साथ सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि राज्य में मौसम शुष्क बना हुआ है। विभाग के अनुसार हनुमानगढ़ के संगरिया में न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री, सिरोही में 6.6 डिग्री, भीलवाड़ा में 7.4 डिग्री, चित्तौड़गढ़ और जालौर में 7.8 डिग्री, श्रीगंगानगर में 8 डिग्री, अंता में 8.1 डिग्री, डबोक में 8.2 डिग्री, करौली में 8.3 डिग्री और वनस्थली में 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं राजधानी जयपुर में रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री दर्ज किया गया।

ऊर्जा के पारम्परिक स्त्रोतों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए राजस्थान अपनाएगा महाराष्ट्र का मॉडल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देकर किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति करने तथा विद्युत वितरण तंत्र में सुधार की दिशा में राजस्थान, महाराष्ट्र के मॉडल को अपनाएगा। इस संबंध में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों का दल जल्द ही महाराष्ट्र का दौरा कर वहां की सरकार द्वारा इस दिशा में किए गए नीतिगत बदलावों तथा इनके माध्यम से आए सफल परिणामों का अध्ययन करेगा तथा राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप इन्हें यहां लागू करने के संबंध में रणनीति तैयार करेगा।

प्रदेश के ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने इस संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुम्बई में मुलाकात की। इस दौरान महाराष्ट्र सरकार की प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा श्रीमती आभा शुक्ला भी मौजूद थी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं नागर ने बीते दिनों दिल्ली में केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर. के. सिंह से मुलाकात की थी। इस दौरान सिंह ने उन्हें ऊर्जा के पारंपरिक स्त्रोतों पर निर्भरता को कम करने की दिशा में महाराष्ट्र सरकार के मॉडल को अपनाने का सुझाव दिया था।

मुलाकात के दौरान शिंदे ने बताया कि राज्य में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अब तक परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोतों से चल रहे सिंचाई पंपों को बड़ी संख्या में सोलर पंपों में बदला जा रहा है। सौर ऊर्जा संचालित पंपों का उपयोग बढ़ाने की महाराष्ट्र सरकार की इस मुहिम से किसानों को सिंचाई कार्य के लिए दिन में भी बिजली मिल रही है।

इससे प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिली है। इतना ही नहीं, किसान सोलर पैनल के माध्यम से उत्पादित अतिरिक्त बिजली को सरकारी या निजी बिजली कंपनी को बेचकर लाभ भी कमा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र कृषि को सौर ऊर्जा में शिफ्ट करने की पहल करने वाला देश का अग्रणी राज्य है।

शिंदे ने ऊर्जा मंत्री को बताया कि राज्य में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में निवेशकों (बिडर) के लिए सरकारी भूमि की उपलब्धता को सुनिश्चित किया गया है। पीएम कुसुम योजना के माध्यम से महाराष्ट्र में सिवायचक, बंजर, सरकारी कार्यालयों तथा कृषि भूमि का एक लैंड बैंक तैयार किया गया है। इससे सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट के लिए भूमि की उपलब्धता पहले से ही सुनिश्चित होने, अनापत्तियां लेने में तथा ऑनलाइन टेंडर की प्रक्रिया को सुगम बनाने जैसे कई नीतिगत बदलाव किए गए हैं। इनका नतीजा यह रहा कि वहां सौर ऊर्जा के 4 से 5 हजार मेगावाट के नए प्रोजेक्टों के लिए कम दरों पर बोली प्राप्त करने में सफलता मिलने की उम्मीद है।

फर्जी बैंक खाते खुलवा साइबर ठगों के रुपए निकालने वाले गिरोह का खुलासा, तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। साइबर और मण्डावरी पुलिस ने फर्जी बैंक खाते खुलवा साइबर ठगों के रुपए निकालने वाले गिरोह का खुलासा कर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने विभिन्न कंपनियों के 54 सिम कार्ड, 30 बैंक पास बुक, तीन चेक बुक, 14 एटीएम कार्ड, 13 मोबाइल, चार चार्जर, एक कार व बाइक जब्त की है। एसपी वन्दिता राणा ने बताया कि डीजीपी साइबर सुरक्षा, एससीआरबी एवं तकनीकी सेवाएं डॉ रविप्रकाश मेहरडा के निर्देश पर जिले में शुक्रवार व शनिवार को साइबर ठगों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में साइबर टीम व थाना मण्डावरी पुलिस की टीम ने बडी सफलता हासिल कर लालसोट इलाके के हटिका कॉलोनी से आरोपी नरेश कुमार मीना पुत्र श्रीराम (25) व सुशील कुमार मीना पुत्र जगदीश प्रसाद (30) निवासी थाना बाटौदा गंगापुर सिटी एवं श्याम सुंदर शर्मा पुत्र कजोड़ मल (28) निवासी गढ़मोरा हाल इंदिरा गांधी नगर थाना खो नागोरियान जयपुर को गिरफ्तार किया।

उल्लेखनीय है कि आईजी रेंज उमेश चंददत्ता के निर्देशानुसार पीएचक्यू के निर्देश पर दो दिवसीय अभियान चलाया गया। सूचना संकलन के दौरान शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली कि हटिका कॉलोनी नई अनाज मंडी के पीछे लालसोट में साइबर अपराध की गतिविधियां संचालित होती है। सूचना पर एडिशनल एसपी रामचंद्र नेहरा व सीओ अरविंद कुमार के सुपरविजन एवं एसएचओ धर्मेंद्र के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा तुरन्त कार्रवाई कर इस गिरोह का खुलासा किया।

एसपी राणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी लोगों को झांसे में लेकर उनके आईडी से मोबाइल सिम कार्ड खरीदते और बैंक खाता खुलवा कर एटीएम कार्ड और पासबुक अपने पास रख लेते। जिसकी एवज में खाताधारक को दो से तीन हजार रुपये दिए जाते है। इन अकाउंट्स में दूर बैठे साइबर ठग लोगो से ठगी गई रकम टांसफर करवाते है। इसके बाद पकड़े गये आरोपी अपना कमीशन लेकर बाकी रकम साइबर ठगों को उनके बताये बैंक खातों में डलवा देते है।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिए राज्य का दौरा करेंगे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' व आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और राज्य इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा अन्य नेताओं के साथ प्रदेश का दौरा करेंगे। एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। पार्टी प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि इसकी शुरुआत गंगानगर से होगी। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नेताओं के साथ राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी साथ रहेंगे।

उन्होंने कहा कि ये नेता, दौरे के पहले चरण में विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में संवाद कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में चर्चा कर दिशा निर्देश देंगे। प्रवक्ता के मुताबिक, ये तीनों नेता 31 जनवरी को गंगानगर पहुंचेगे। उन्होंने बताया कि ये नेता एक फरवरी को गंगानगर लोकसभा क्षेत्र, दो फरवरी को बीकानेर, तीन फरवरी को बाड़मेर, चार फरवरी को नागौर, पांच फरवरी को चूरू, छह फरवरी को सीकर व झुंझुनूं तथा सात फरवरी को जयपुर ग्रामीण में कांग्रेस कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष व प्रदेश चुनाव समिति के अध्यक्ष डोटासरा ने प्रदेश चुनाव समिति के सदस्यों का समूह गठित कर काम बांटा है, जिसके तहत समिति के दो सदस्यों का समूह पांच फरवरी तक सम्बद्ध लोकसभा क्षेत्र का दौरा कर प्रमुख कांग्रेस कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेंगे तथा अपनी रिपोर्ट प्रदेश चुनाव समिति को पेश करेंगे।

वहीं आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणा पत्र हेतु राजस्थान प्रदेश से सुझाव प्राप्त करने के लिए एक बैठक शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई।

मोदी की 'मन की बात' प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने रविवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात को सुना और इसे प्रत्येक व्यक्ति क लिए प्रेरणादायक बताया। शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर मोदी की मन की बात के 109वें एपिसोड में उनके संबोधन को सुना। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम हमेशा ही प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक एवं सकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात में स्वच्छता और अंगदान का संदेश भी दिया है। हमें भी मिलकर उनके मार्गदर्शन में प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान निरंतर चलाना चाहिए। साथ ही अंगदान के प्रति भी जागरूकता फैलानी चाहिए। शर्मा ने कहा कि मोदी सोमवार को पूर्वाह्न ग्यारह बजे विद्यार्थियों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' करेंगे। उन्होंने प्रदेश के विद्यार्थियों से इस चर्चा में जुड़ने का आह्वान भी किया।

राम के जन्म से संबंधित बड़ी देवकाली मंदिर अयोध्या में बना आकर्षण का नया केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। नवनिर्मित भव्य राम मंदिर में रामलला के नवीन विग्रह की 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद यहां बड़ी देवकाली मंदिर श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बन गया है।

बड़ी देवकाली मंदिर, भगवान राम की कुलदेवी को समर्पित है।

मान्यता है कि भगवान राम के जन्म के बाद उनकी मां कौशल्या अपने पूरे परिवार के साथ इस मंदिर में आई थीं। मौजूदा ढांचा कई दशक पुराना है और मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा, राम नवमी और नवरात्र पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुटती थी लेकिन हनुमान गढ़ी मंदिर की तरह यह श्रद्धालुओं के बीच बहुत लोकप्रिय नहीं था।

बड़ी देवकाली मंदिर के मुख्य पुजारी सुनिल पाठक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई है। पहले बड़ी देवकाली मंदिर में रोजाना औसतन 50-60 श्रद्धालु आते थे लेकिन नौ नवंबर, 2019 को उच्चतम न्यायालय द्वारा राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ किए जाने के बाद यह संख्या रोजाना 500 तक पहुंच गई। उन्होंने कहा, प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई है। बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं।

मंदिर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पाठक ने बताया, बड़ी देवकाली मंदिर में तीन देवियों - महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती का संयुक्त विग्रह स्थापित है। देवी, भगवान राम के पूर्वज राजा रघु के सपने में प्रकट हुईं और युद्ध में विजयी होने के लिए उन्हें एक 'यज्ञ' अनुष्ठान करने का निर्देश दिया। राजा रघु ने 'यज्ञ' किया और युद्ध में विजयी हुए। फिर उन्होंने बड़ी देवकाली' के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा कराई। मान्यता है कि भगवान राम के जन्म के बाद उनकी मां कौशल्या अपने पूरे परिवार के साथ मंदिर में आई थीं।

स्वच्छताकर्मियों के लिए सुनिश्चित करेंगे न्यूनतम मानदेय की गारंटी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को स्वच्छताकर्मियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह उनके लिए न्यूनतम मानदेय की गारंटी सुनिश्चित करेंगे। नगर निगम की तरफ से आयोजित सफाई मित्र सुरक्षा और सम्मान सम्मेलन की शुरुआत के साथ ही मुख्यमंत्री ने नगर निगम की 116 करोड़ रुपए की 176 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

इस मौके पर संबोधन में हुए योगी ने कहा, स्वच्छताकर्मियों को न्यूनतम मानदेय की गारंटी हर हाल में मिलनी चाहिए। सरकार जल्द ही इसे पूरे प्रदेश में सुनिश्चित कराएगी। उन्होंने कहा, स्वच्छताकर्मियों के सुनिश्चित मानदेय के लिए पहले ही एक समिति गठित की गई है और शीघ्र ही इस पर ठोस कदम उठाए जाएंगे। मानदेय के साथ स्वच्छताकर्मियों के लिए आवास और जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। अभयनंदन इंटर कॉलेज के मैदान पर हुए इस कार्यक्रम के मंच से मुख्यमंत्री ने सफाई मित्रों हेतु ई-सेवा पोर्टल, दस लाख रुपए तक की दुर्घटना बीमा सुविधा व कल्याण कोष की शुरुआत की।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कल्याण कोष से चार सफाई मित्रों के आश्रितों को सहायता राशि का चेक प्रदान किए। सफाई मित्रों एवं वाहन चालकों को वर्दी, लंच बॉक्स वितरित किए और घर-घर से कूड़ा एकत्र करने वाले

वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर योगी ने कहा, सुंदरता की आत्मा स्वच्छता में ही निहित होती है। प्रायः देखा जाता है कि जिस पर सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, वह किन्हीं कारणों से उपेक्षित हो जाता था। हम शहर को कितना भी सुंदर क्यों न बना लें, चौड़ी सड़कें बना लें लेकिन यदि स्वच्छता नहीं होगी तो सारी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। ऐसे में स्वच्छता के लिए समर्पित भाव से कार्य करने वाले कर्मियों का सम्मान सबको करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में पांच सौ वर्षों के इंतजार के बाद रामलला का मंदिर बना है, उनकी प्राण प्रतिष्ठा हुई है तो वहीं गोरखपुर की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार हुआ है। इन दोनों उपलब्धियों के लिए सबको बधाई बताते हुए योगी ने कहा कि स्वच्छता कर्मियों को न्यूनतम मानदेय के साथ आवासीय सुविधा भी मिलनी चाहिए। योगी ने कहा कि सफाईकर्मी शहर की शक्ल सूरत बदलने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करते हैं और इसी का परिणाम है कि स्वच्छ सर्वेक्षण में गोरखपुर की रैंकिंग 74 से 22 पर आ गई है।

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने देश के करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांधा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

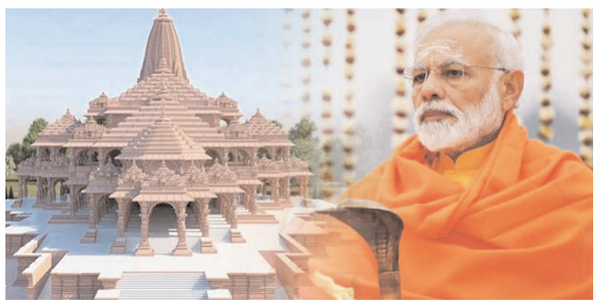

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर ने देश के करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांध दिया और इस दौरान सामूहिकता की जो शक्ति देखी गई वह विकसित भारत के संकल्पों का बहुत बड़ा आधार है।

प्रधानमंत्री ने आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 109वीं और इस साल की पहली कड़ी में देशवासियों से संवाद करते हुए कहा कि भगवान राम का शासन देश के संविधान निर्माताओं के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत था। उन्होंने कहा कि इस साल हमारे संविधान के निर्माण के 75 वर्ष और उच्चतम न्यायालय के भी 75 वर्ष हो रहे हैं और लोकतंत्र के ये पर्व लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत को और सशक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की मूल प्रति के तीसरे अध्याय में भारत के नागरिकों के मूलभूत अधिकारों का वर्णन किया गया है और ये बहुत दिलचस्प है कि तीसरे अध्याय के प्रारंभ में संविधान निर्माताओं ने भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के चित्रों को स्थान दिया था। उन्होंने कहा, प्रभु राम का शासन हमारे संविधान निर्माताओं के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत था और इसलिए 22 जनवरी को अयोध्या में मैंने 'देव से देश' की बात और 'राम से राष्ट्र' की बात की थी। उन्होंने कहा, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर ने देश के करोड़ों लोगों को मानो एक सूत्र में बांध दिया है। सबकी भावना एक, सबकी भक्ति एक, सबकी बातों में राम, सबके हृदय में राम''।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 22 जनवरी की शाम को पूरे देश ने 'रामज्योति' जलाई और दिवाली मनाई तथा इस दौरान देश ने सामूहिकता की शक्ति देखी, जो विकसित भारत के संकल्पों का भी बहुत बड़ा आधार है। उन्होंने मकर संक्रांति से 22 जनवरी तक स्वच्छता का अभियान चलाए जाने के अपने आह्वान का भी उल्लेख किया।

बंगाल सरकार से मुझे अब तक कोई सराहना नहीं मिली : पद्म श्री विजेता रतन कहार

कोलकाता/भाषा। पद्मश्री से सम्मानित लोक गायक रतन कहार ने बंगाली लोक गीतों की परंपरा को संरक्षित करने के उनके प्रयासों को मान्यता देने के लिए केंद्र के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि उन्हें अब तक पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से कोई सराहना नहीं मिली है। अपने मशहूर गीत 'बोड़ो लोकेर बिटी लो' के लिए पहचाने जाने वाले कहार ने खुलासा किया कि उनकी कई रचनाएं हमेशा के लिए खो गई हैं, जबकि कुछ अन्य गीत अतीत में उनकी सहमति के बिना अन्य संगीतकारों द्वारा उपयोग किए गए हैं। कहार ने शनिवार को बीरभूम जिले के एक गांव में स्थित अपने घर के बाहर संवाददाताओं से कहा, मुझे खुशी है कि केंद्र ने मेरे काम के लिए मुझे पद्मश्री से सम्मानित करने पर विचार किया। यह मेरी उम्मीदों से परे था। हालांकि, पश्चिम बंगाल सरकार ने अभी तक मेरे योगदान को नहीं सराहा है। कहार ने उपयुक्त सुविधाओं के अभाव के कारण उनकी कई रचनाओं की ''अपूरणीय क्षति'' पर अफसोस जताया। लोक गायक ने कहा, मेरे पास कागजात, पांडुलिपियों और गीतों को संग्रहीत करने के लिए घर पर पर्याप्त जगह नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस ने नीतीश कुमार के 'बार-बार पाला बदलने' की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने 'बार-बार पाला बदलने' के लिए जनता दल यूनाइटेड (जद यू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार की आलोचना की है।

पार्टी ने यह आलोचना नीतीश के बिहार में 'महागठबंधन' से अलग होने पर की है। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि लोग ऐसी 'अवसरवादिता' का माकूल जवाब देंगे। नीतीश कुमार ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि उन्हें 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) और 'महागठबंधन' में ''चीजें ठीक नहीं लग रही थीं'' इसलिए उन्होंने भाजपा के साथ नया गठबंधन और नई सरकार बनाने का निर्णय लिया। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय ने कहा, नीतीश कुमार नियमित अंतराल पर पाला बदलने के लिए जाने जाते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्होंने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को छोड़ने का फैसला किया है और उनके राजग में शामिल होने की संभावना है। जनता ऐसी राजनीतिक अवसरवादिता का करारा जवाब देगी। भाजपा से अलग होने और राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस के साथ गठबंधन के 18 महीने से भी कम समय के भीतर नीतीश कुमार ने दूसरी बार पाला बदला है। इससे पहले 2013 में नीतीश कुमार ने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग से नाता तोड़ लिया था और 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू-राजद-कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी।

कांग्रेस ने नीतीश की तुलना ''गिरगिट'' से की, विश्वासघात में माहिर'' बताया

नई दिल्ली/भाषा। नीतीश कुमार के रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस ने उनकी तुलना ''गिरगिट'' से की और कहा कि राज्य के लोग ''धोखा देने के इस विशेषज्ञ'' और उन्हें अपने इशारों पर नचा रहे लोगों को कभी माफ नहीं करेंगे।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल राजेन्द्र वी आर्लेकर को रविवार सुबह अपना इस्तीफा सौंप दिया। वह राज्य में 'महागठबंधन' से अलग हो गए। कुमार के इस कदम से 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) को भी बड़ा झटका लगा है। नीतीश कुमार भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता तोड़कर अगस्त 2022 में 'महागठबंधन' में शामिल हुए थे। तब उन्होंने भाजपा पर जद(यू) (जनता दल-यूनाइटेड) को 'विभाजित' करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। उन्होंने बहुदलीय गठबंधन के साथ नई सरकार बनाई थी जिसमें राजद (राष्ट्रीय जनता दल), कांग्रेस और तीन वामपंथी दल शामिल थे।

ओबीसी नेता सम्राट चौधरी भाजपा में शामिल होते ही तेजी से उभरे

पटना/भाषा। उच्च जाति समर्थक छवि से आगे निकलने भाजपा की चाहत के बीच बिहार में उसके एक ओबीसी नेता सम्राट चौधरी की पार्टी में सात साल से भी कम समय पहले शामिल होने के बाद से जबरदस्त प्रगति हुई है। सम्राट चौधरी रविवार को भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए और इसी के साथ ऐसी संभावना है कि वह नीतीश कुमार की अगुवाई वाली अगली राजग सरकार में दो उपमुख्यमंत्रियों में एक होंगे।

शकुनी चौधरी के पुत्र सम्राट चौधरी ने राजद सुप्रीमो की पत्नी राबड़ी देवी के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में राजनीति के क्षेत्र में कदम रखा था। शकुनी चौधरी सेना में जवान रहने के बाद राजनीति में आए थे और उन्होंने कांग्रेस सदस्य के रूप में राजनीति की शुरुआत की थी लेकिन लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की पार्टी में कई बार उन्होंने पाला बदला। सम्राट चौधरी 2005 में सत्ता से बेदखल होने के बाद काफी समय राजद के साथ रहे लेकिन 2014 में एक विद्रोही गुट का हिस्सा बन गए और जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाली जदयू सरकार में शामिल हो गए। मांझी ने नीतीश के पद छोड़ने के बाद कुछ समय के लिए सत्ता संभाली थी। तीन साल बाद उनका जदयू से मोहभंग हो गया और वह भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ने तेजतर्रार वक्ता और कोइरी जाति के बड़े नेता के रूप में उनकी क्षमता को पहचाना। भाजपा ने सम्राट चौधरी को प्रदेश का उपाध्यक्ष बना बाद में बिहार विधान परिषद में भेजी। 2020 के बिहार विस चुनाव में राजग की जीत के बाद उन्हें नीतीश सरकार के मंत्रिमंडल में जगह मिली।

मोदी अब भगवान का 11 वां अवतार बनना चाहते हैं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब भगवान विष्णु का 11 वां अवतार बनना चाहते हैं। यहां कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में अपने संबोधन में खड़गे ने कहा कि सुबह उठते ही लोग अपने भगवान या गुरुओं का चेहरा देखते हैं लेकिन अब हर जगह मोदी दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा, मोदी अब 11 वां अवतार बनने निकले हैं।

मोदी पर धर्म और राजनीति को मिलाने का आरोप लगाते हुए खड़गे ने कहा कि जब ये दोनों चीजें मिल जाती हैं तो अच्छे और बुरे में फर्क करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर वोट लेना देश के साथ गद्दारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा आजकल केवल कांग्रेस को गालियां देती रहती हैं और उसके नेताओं के सपने में जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी आती हैं। उन्होंने कहा, आजकल तो उनके सपने में राहुल गांधी आ रहे हैं जो उन्हें सोने ही नहीं दे रहे हैं। खड़गे ने कहा कि इसी डर के कारण असम में कांग्रेस की यात्रा में अड़चन डाली गई। उन्होंने कहा कि वहां पत्थर फेंके गए, पोस्टर फाड़े गए और झंडे निकाल दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि देश भर में कहीं कांग्रेस की यात्रा में विघ्न नहीं डाला गया और केवल असम में, जहां भाजपा का शासन है, यह गड़बड़ी हुई।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लेकिन उनकी पार्टी इससे डरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक आप हैं, कांग्रेस को कोई हिला नहीं सकता।

दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा कि कांग्रेस जान देने वाले नेताओं की पार्टी है। उन्होंने महात्मा गांधी और नेहरू का नाम लेते हुए कहा कि आजादी के लिए कांग्रेस के नेता अनेक दिन जेल में रहे। उन्होंने भाजपा से पूछा कि आजादी के लिए उसके कितने नेता कितने दिन जेल में रहे।

अखिलेश यादव ने भाजपा का मुकाबला करने के लिए गठबंधन का मॉडल पेश किया : सपा

लखनऊ/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफा देने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन से फिर सरकार बनाने के ताजा घटनाक्रम के बीच, समाजवादी पार्टी (सपा) ने रविवार को कहा कि उनके नेता अखिलेश यादव ने भाजपा का मुकाबला करने के लिए गठबंधन का एक मॉडल पेश किया है और दूसरों को इसका अनुसरण करना चाहिए। सपा प्रवक्ता अमीक जामेई ने कहा, जो चुनाव होने जा रहे हैं वह धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र को बचाने के लिए हैं। हमारी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने कांग्रेस और राष्ट्रीय लोकदल के साथ सीट बंटवारे की घोषणा करके एक मॉडल पेश किया है। कांग्रेस के साथ दूसरे दौर की बातचीत चल रही है। भाजपा को हटाने के लिए सभी को इसका पालन करना चाहिए। कुमार के इस्तीफे पर उन्होंने कहा, ऐसा नहीं किया जाना चाहिए था। हमारे नेता अखिलेश जी मुलायम सिंह यादव के दिखाए रास्ते पर चले हैं, उन्होंने भाजपा को सत्ता हासिल करने से रोकने के लिए सब कुछ किया। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि भाजपा और मीडिया का एक बड़ा वर्ग यह दिखाना चाहता है कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन टूटा हुआ और कमजोर है।

140 करोड़ भारतीय भाजपा के 'अन्याय काल' में जी रहे हैं : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि 140 करोड़ भारतीय लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा थोपे गए 'अन्याय काल' में जी रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि वह सुनिश्चित करेगी कि देश के लोगों को उसकी ओर से प्रस्तावित 'न्याय' के पांच स्तंभों के आधार पर न्याय मिले।

कांग्रेस प्रवक्ता और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा सरकार ने किसी कार्यक्रम की चकाचौंध के पीछे वास्तविकता को छिपाने की कला में महारत हासिल कर ली है और उनके अधीन देश और इसकी अर्थव्यवस्था के साथ यही हो रहा है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के बारे में सच्चाई यह है कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा के युवा इजराइल में लड़ने के लिए नौकरी पाने की चाहत में कतार में खड़े हैं, यह दिल को दहला देने वाला है।

खेड़ा ने कहा,''कोई भी व्यक्ति युद्धरत देश में जाकर मजदूर क्यों बनना चाहेगा? इसका उत्तर यह है कि उनकी औसत मासिक आय सिर्फ 10,000 रुपए (न्यूनतम मजदूरी से बहुत कम) है, जबकि इजराइल इससे लगभग 13-14 गुना अधिक वेतन दे रहा है। खेड़ा ने कहा कि यह देखना दुर्भाग्यपूर्ण है कि उत्तर प्रदेश में पुलिस कांस्टेबल की केवल 60,000 रिक्तियों के लिए 51 लाख आवेदक थे।

पूरे देश में नफरत और हिंसा फैलायी जा रही : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर देशभर में नफरत और हिंसा फैलाने तथा गरीबों और युवाओं के हितों को नजरअंदाज करके बड़े कॉरपोरेट घरानों के लिए काम करने का आरोप लगाया।

गांधी उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने सशस्त्र बलों के लिए एक अल्पकालिक भर्ती योजना 'अग्निवीर' को शुरू करके उन युवाओं का मखौल उड़ाया है जो सशस्त्र बलों में शामिल होना चाहते थे। उन्होंने कहा, देशभर में नफरत और हिंसा फैलायी जा रही है। इससे कोई फायदा नहीं होगा। नफरत फैलाने के बजाय, हमें प्यार का प्रसार करने और अपने युवाओं को न्याय दिलाने की दिशा में काम करना होगा। केंद्र सरकार केवल बड़े कॉरपोरेट घरानों के लिए काम कर रही है, गरीबों और युवाओं के लिए नहीं।

गांधी ने पश्चिम बंगाल में अपने स्वागत के लिए आभार जताते हुए कहा, बंगाल एक विशेष स्थान रखता है। इसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वैचारिक लड़ाई का नेतृत्व किया था।

यह बंगाल और बंगालियों का कर्तव्य है कि वे नफरत के खिलाफ लड़ने का एक रास्ता दिखाएं और वर्तमान परिस्थितियों में देश को एकसाथ बांधकर रखें। उन्होंने कहा, यदि आप मौके पर नहीं खड़े हुए तो लोग आपको कभी माफ नहीं करेंगे।

मणिपुर का जनजातीय संगठन भारत-म्यामांर सीमा पर बाड़ लगाने का विरोध करेगा

इंफाल/भाषा। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के एक जनजातीय संगठन ने कहा कि वह भारत-म्यामांर सीमा पर बाड़ लगाने के केंद्र के फैसले का ''विरोध'' करेगा। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने एक बयान में कहा कि संगठन ने जिला मुख्यालय में स्थानीय लोगों का विचार जानने के लिए शनिवार को एक सभा का आयोजन किया था। इस दौरान भारत-म्यामांर सीमा पर बाड़ लगाने और दोनों देशों के बीच मुक्त आवागमन व्यवस्था को रद्द करने के केंद्र के फैसले का ''विरोध'' करने का संकल्प लिया गया। मुक्त आवागमन व्यवस्था सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों को बिना वीजा के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किलोमीटर तक की यात्रा करने की अनुमति देती है। भारत के चार राज्य- अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और मिजोरम, म्यामांर के साथ 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। बयान में कहा गया कि आईटीएलएफ ने ''कुकी जो समुदाय के लोगों के राजनीतिक भविष्य'' के लिए मिजोरम सरकार से मुलाकात करने का भी फैसला किया। म्यामांर में फरवरी 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद यहां के 31,000 से अधिक लोगों ने मिजोरम में शरण ली है। इनमें से ज्यादातर चिन राज्य से हैं।

अच्छी बल्लेबाजी नहीं की, 231 रन का लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल किया जा सकता था : रोहित शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को पांच मैच की शृंखला के पहले टेस्ट में मिली हार के लिए शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की विफलता पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उनमें निचले क्रम के बल्लेबाजों द्वारा दिए गए जुझारूपन और जज्बे की कमी थी।

भारतीय टीम को 231 रन का लक्ष्य मिला जिसके जवाब में टीम 202 रन पर आउट हो गई और इंग्लैंड ने 28 रन की जीत से पांच मैच की शृंखला में 1-0 से बढ़त बनायी। हालांकि भारत ने पहली पारी में 190 रन की बड़ी बढ़त हासिल की थी।

रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में कहा, यह बताना मुश्किल है कि गलती कहां

हुई। 190 रन की बढ़त से हमने दबदबा बनाया था लेकिन ओली पोप (196 रन) ने क्या शानदार बल्लेबाजी की जो शायद किसी विदेशी खिलाड़ी की भारतीय हालात में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी में से एक थी। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि 230 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमें लगा कि हमने सही लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी की। लेकिन आपको कहना ही होगा कि बहुत बढ़िया खेले ओली पोप।

रोहित ने कहा, एक या दो चीजों को देखना मुश्किल है। हम लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर सके। 20-30 रन से कुछ भी संभव है। निचले क्रम ने अच्छा संघर्ष दिखाया और शीर्ष क्रम को दिखाया कि कैसे बल्लेबाजी की जाए। हमने कुछ मौकों का फायदा नहीं उठाया, लेकिन ऐसा हो सकता है। यह शृंखला का पहला मैच है। उन्होंने कहा, निचले क्रम ने वास्तव में अच्छा जज्बा दिखाया। आपको साहसिक होना चाहिए जो मुझे लगता है कि हम नहीं थे।

सुविचार

कुछ मत पूछो, बदले में कुछ मत मांगो। जो देना है वो दो, वो तुम तक वापस आएगा, पर उसके बारे में अभी मत सोचो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इंडि गठबंधन को बड़ा झटका

बिहार में 'गठबंधन' के प्रयोगों और नीतीश कुमार के फिर से राजग में लौट आने को देखकर यही कहा जाना चाहिए कि राजनीति में कुछ भी हो सकता है। नीतीश पर उनके आलोचक भले ही 'अवसरवादी' होने का आरोप लगाएं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि उन्होंने पिछले एक दशक में जिस तरह जोड़-तोड़ किए हैं, उससे राजनीति के बड़े-बड़े धुरंधर भी हैरत में पड़ गए हैं। नीतीश लंबे अरसे तक राजग में रह चुके हैं। तत्कालीन वाजपेयी सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे नीतीश कुमार ने साल 2013 में नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय राजनीति में मजबूती से उभरने के दौरान ही तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे। उन्होंने सेकुलरिज्म के नाम पर राजग से रिश्ता तोड़ लिया था। फिर, अपने धुरविरोधी लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद के साथ गठजोड़ किया, लेकिन वह प्रयोग भी उन्हें ज्यादा दिन रास नहीं आया। उन्होंने साल 2022 में 'महागठबंधन' में फिर वापसी की, जिसके बाद राजग नेताओं की ओर से उन पर खूब शब्दबाण छोड़े गए थे। उन्होंने भी खूब पलटवार किए। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि अब जदयू और राजग की राहें हमेशा के लिए जुदा हो गईं, लेकिन नीतीश ने एक बार फिर सबको 'चक्कर' में डाल दिया। आलोचक कहते हैं कि नीतीश पर कभी विश्वास नहीं किया जा सकता, लेकिन उनके प्रशंसक कहते हैं कि बिहार, जहां की राजनीति इतनी पेचीदा है, वहां खुद के पास बहुमत न हो, तो भी सरकार बनाने और चलाने का हुनर नीतीश से बेहतर कोई नहीं जानता! बहरहाल, उनके 'महागठबंधन' छोड़ने से विपक्ष के इंडि गठबंधन को बड़ा झटका जरूर लगा है। माना जा रहा था कि अगर नीतीश इंडि गठबंधन में रहते तो बड़ी भूमिका पाते। हालांकि उनके आने से राजग मजबूत हुआ है। अगर यह गठबंधन लोकसभा चुनावों में भी कायम रहा तो उन्हें 'बड़ी भूमिका' मिल सकती है।

नीतीश की राजग में वापसी से इंडि गठबंधन को लेकर संभावनाएं धूमिल होती जा रही हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही कह चुकी हैं कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि शिष्टाचार के नाते भी यह सूचित नहीं किया कि प. बंगाल में 'न्याय यात्रा' निकाली जाएगी। तृणमूल के प्रवक्ता कुणाल घोष तो यह कह चुके हैं कि कांग्रेस सीट बंटवारे को लेकर 'अनुचित सौदेबाजी' नहीं कर सकती। तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ ब्रायन प. बंगाल में कांग्रेस और उनकी पार्टी के बीच गठबंधन के कारगर नहीं होने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी को जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। उन्हीं के शब्दों में – 'बंगाल में गठबंधन के कारगर नहीं होने के पीछे तीन कारण हैं– अधीर रंजन चौधरी, अधीर रंजन चौधरी और अधीर रंजन चौधरी।' स्पष्ट है कि कांग्रेस इंडि गठबंधन में नेतृत्व की भूमिका में रहने के लिए प. बंगाल से ज्यादा से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है, जबकि तृणमूल कांग्रेस ज्यादा 'उदारता' दिखाने के लिए तैयार नहीं है। प. बंगाल में राहुल गांधी को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के तहत जनसभाएं नहीं करने दी गईं। इसके पीछे स्थानीय प्रशासन की ओर से बच्चों की परीक्षाएं होने की दलील दी गई। जब 'न्याय यात्रा' जलपाईगुड़ी पहुंची तो ममता बनर्जी के समर्थकों ने पोस्टर दिखाए, जिन पर 'दीदी बनेंगी प्रधानमंत्री' लिखा था। अब बिहार में नीतीश के दांव से राजद के साथ कांग्रेस की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। माना जाता है कि राजद नेतृत्व चाहता था कि नीतीश केंद्र की राजनीति में जाएं और बिहार में सरकार लालू यादव के बेटे चलाएं, जबकि नीतीश बिहार में अपनी पकड़ ढीली नहीं होने देना चाहते थे। कांग्रेस यहां कमजोर स्थिति में है। वह अधिकाधिक सीटें तो चाहती है, लेकिन राज्य में उसके पास कोई करिश्माई नेतृत्व नहीं है। पंजाब, जहां लंबी अवधि तक कांग्रेस ने सरकार चलाई, अब वहां आम आदमी पार्टी सत्तारूढ़ है। मुख्यमंत्री भगवंत मान कांग्रेस के साथ सीटें साझा करने के इच्छुक नजर नहीं आ रहे हैं। दिल्ली में भी अरविंद केजरीवाल का कांग्रेस को ज्यादा सीटें देना मुश्किल लगता है। यहां 'आप' ने कांग्रेस को हराकर ही सत्ता पाई थी। ऐसे में राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस का मजबूत होना कालांतर में 'आप' के लिए खतरे की घंटी होगा, जो केजरीवाल भलीभांति जानते हैं। वर्तमान में इंडि गठबंधन के लिए बड़ी चुनौती अपने घटक दलों में तालमेल बैठाने के साथ ही सबको एकजुट रखना भी है। अगर लोकसभा चुनाव से पहले कोई और बड़ा घटक दल अलग हो गया तो इंडि गठबंधन के लिए लड़ाई ज्यादा मुश्किल हो जाएगी।

ट्वीटर टॉक

तनसिंह एक विचार थे, एक दर्शन थे, एक संस्कार थे, एक जीवंत संस्कृति के अगुवा थे, वह एक संस्कार को स्थापित करने वाले महामानव थे। उनके जीवन के मानदंड और मापदंड निश्चित तौर पर हमें सदैव आदर्श और श्रेष्ठ नागरिक बनाने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

-राजेन्द्र राठौड़

विधान मंडल के संरक्षक के रूप में पीठासीन अधिकारियों का दायित्व है कि वे राजनीतिक दलों से चर्चा कर ऐसे निर्णय लें जो सदस्यों की कार्यकुशलता और दक्षता में अभिवृद्धि करें। हमारा कार्यकरण ऐसा हो जो भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का माध्यम बन सकें।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

वास्तविक ब्रह्म ज्ञान

आचार्य शंकर गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। उनके सामने से एक चांडाल कुत्तों को लिए मार्ग में खड़ा था। शंकर बोले, 'अरे! कुत्तों को मेरे मार्ग से हटा ताकि मैं स्नान के लिए आगे निकल सकूं। चांडाल के उपेक्षाभाव को देख, उत्तेजित आचार्य शंकर पुनः बोले तो अबकी बार चांडाल ने शंकर से एक श्लोकबद्ध संस्कृत भाषा में कहा, 'तुम किसको हट जाने को कह रहे हो?

आत्मा को या देह को, आत्मा तो सर्वव्यापी, निष्क्रिय और सतत शुद्ध स्वभाव है। यदि देह को हटाने को कह रहे हैं, देह जड़ है, वह कैसे हट सकती है! क्या कुत्ते, मेरी और आपकी आत्मा एक है या भिन्न-भिन्न? यदि भिन्न है, तो तुम 'एकमेवाद्वितीयं' इस ब्रह्मतत्व में प्रतिष्ठित होने का मिथ्याभिमान करते हो, तत्वदर्शी से क्या चांडाल, कुत्ते और आचार्य में कोई भेद है?' चांडाल के इन ज्ञानगर्भित वचनों को गुरुज्ञानसम लेकर स्तंभित तथा लज्जित आचार्य शंकर प्रभु को मन ही मन कोटि-कोटि प्रणाम करते हुए विनम्रभावित चांडाल के समक्ष खड़े ब्रह्म स्तुति करने लगे।

सामयिक

परीक्षा पर चर्चा-2024

परीक्षा के मामले में स्थिति को सावधानी से हैंडल करें अभिभावक

हिमांशु गुप्ता
सचिव, सीबीएसई

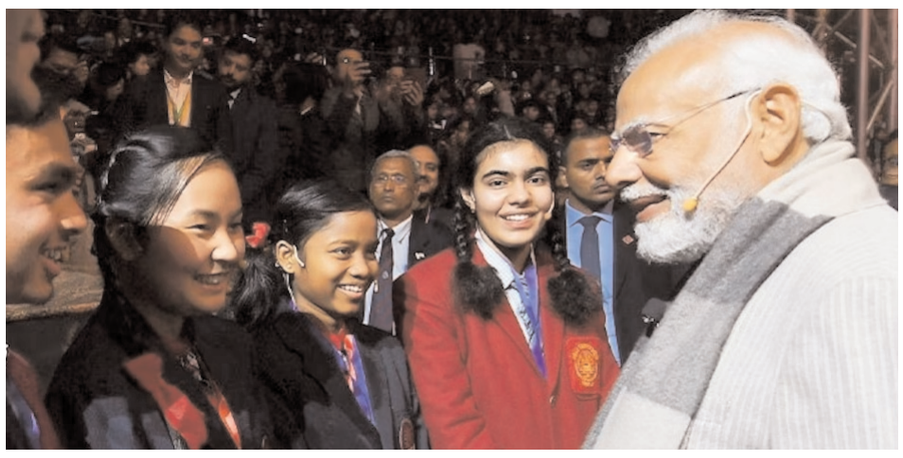

तनाव का मुकाबला करने के लिए विद्यार्थियों को सही दिशा, उदाहरण और समर्थन की आवश्यकता होती है। परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम इस उद्देश्य को सफलतापूर्वक प्राप्त कर रहा है।

अक्सर विद्यार्थी जीवन में विद्यार्थियों के चेहरे पर एक मुस्कान खिली रहती है लेकिन परीक्षा करीब आते ही उनके चेहरे पर रहने वाली ये मुस्कान कम होने लगती है। परीक्षा, अपने साथ अक्सर लाती है तनाव, डर, अपेक्षाएँ और चिंता। यह तनाव आखिर है क्या? और इसका एक छात्र पर कैसे और क्या प्रभाव पड़ता है? तनाव को किसी कठिन परिस्थिति के कारण होने वाले मानसिक असंतुलन के रूप में देखा जा सकता है। तनाव एक स्वाभाविक मानवीय प्रतिक्रिया है जो हमें अपने जीवन में चुनौतियों और खतरों से निपटने के लिए प्रेरित करती है। हर व्यक्ति अपने जीवन में कुछ हद तक तनाव का अनुभव करता ही है। लेकिन परीक्षा के समय छात्रों में होने वाला तनाव और डर हमारे दिन-प्रतिदिन के तनाव की तुलना में बहुत गंभीर है।

एनसीईआरटी ने जनवरी से मार्च 2022 के बीच 3,79,842 विद्यार्थियों के बीच एक सर्वेक्षण किया था। इसमें यह पाया गया कि हमारे विद्यालयों में कक्षा 9 -12 के लगभग 80 प्रतिशत विद्यार्थी, परीक्षा और उसमे अपने प्रदर्शन को लेकर तनाव महसूस करते हैं। उन बच्चों में से अधिकांश ने ये भी बताया कि तनाव से जुड़े इन विचारों को वे अपने साथियों या अपने परिवार के सदस्यों के साथ साझा करनें में असहज महसूस करते हैं। 33 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों ने बताया कि वे नियमित रूप से अपने सहपाठियों के दबाव यानी पीयर-प्रेशर का सामना करते हैं। जैसे-जैसे विद्यार्थी उच्चतर कक्षाओं की ओर बढ़ते हैं, उनकी व्यक्तिगत तथा विद्यालयी जीवन से संतुष्टि कम हो जाती है। रिश्तों के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता, साथियों का दबाव, बोर्ड परीक्षा का डर तथा खुद की पहचान खोने का डर जैसी चुनौतियाँ बढ़ती जाती हैं।

परीक्षा से जुड़ी परेशानियों के अनेक कारण हो सकते हैं। इसमें जीवनशैली से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं जैसे नींद पूरी न हो पाना, कुपोषण, शारीरिक गतिविधियों की कमी आदि। इसमें कुछ मनोवैज्ञानिक कारण भी शामिल हो सकते हैं जैसे परीक्षा में असफल होने का डर, अच्छे अंकों के लिए परिवार का दबाव, साथियों का दबाव, नकारात्मक सोच और आत्म-आलोचना जैसे मैं इस क़ाबिल नहीं हूं, मैं यह कर नहीं सकता आदि। परीक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे विद्यार्थी अपनी शिक्षा और ज्ञान का मूल्यांकन करते हैं। ऐसे में परीक्षा के समय विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति ऐसी क्यों हो जाती है? हम ऐसा क्या कर सकते हैं जिससे उन्हें इस स्थिति से न गुज़रना पड़े? इस महत्वपूर्ण समस्या और इसके समाधान की ओर सबका ध्यान आकर्षित किया है 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम ने।

'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम की संकल्पना प्रधानमंत्रीजी द्वारा छह वर्ष पूर्व की गई थी। इस कार्यक्रम में वे विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों से परीक्षा और जीवन से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करते हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा मंत्रालय द्वारा हर वर्ष किया जाता है। इस वर्ष 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम का सातवां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष 2.26 करोड़ नामांकन प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री जी नई दिल्ली के प्रगति मैदान में नव-निर्मित 'भारत मंडपम' में 29 जनवरी को सुबह 11 बजे इन सभी प्रतिभागियों के साथ परीक्षा पर चर्चा करेंगे।

इसमें कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को शामिल होने का अवसर मिलता है। इसमें भाग लेने के लिए पहले प्रश्नोत्तरी/निबंध/ स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष पंजीकरण की प्रक्रिया में नयापन लाते हुए एक अनूठी प्रश्नोत्तरी की शुरुआत की गई है जिसमें चंद्रयान, खेलों में भारत की उपलब्धियां आदि जैसे नये विषयों को शामिल किया गया है।

प्रतिभागियों को केवल 5 प्रश्नों का उत्तर देकर बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए माईजीओपी पोर्टल पर पंजीकरण करना था। प्रधानमंत्रीजी से विद्यार्थी कौन-से प्रश्न पूछेंगे और चर्चा कर सकेंगे, इसके लिए भी एक पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई गई। कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों से माईजीओपी प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रश्न आमंत्रित किए गए। विद्यार्थियों को यह स्वतंत्रता थी कि वे परीक्षा के तनाव से निपटने या सामान्य रूप से जीवन के बारे में अपनी पसंद के ऐसे प्रश्न भेज सकते थे जिन्हें वे प्रधानमंत्री से पूछना चाहेंगे। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी विदेश में पढ़ रहे विद्यार्थियों के प्रश्नों को भी शामिल किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्रीजी विद्यार्थियों के शिक्षक, मार्गदर्शक और अभिभावक की भूमिका में होते हैं। वे रोचक संस्मरणों, उदाहरणों और प्रेरक वाक्यों की सहायता से देश-विदेश के अनगिनत विद्यार्थियों को स्पष्ट करते हैं कि वे परीक्षा की तैयारी कैसे कर सकते हैं, सही समय प्रबंधन कैसे कर सकते हैं, और परीक्षा के दिन कैसे तनाव की स्थिति का सामना कर सकते हैं। इस कार्यक्रम की उपयोगिता इस रूप में भी अद्वितीय है कि यह कार्यक्रम यह स्थापित करने में सफल रहा है कि परीक्षा सिर्फ ज्ञान के मूल्यांकन का आधार नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों की सोचने, समस्याओं का समाधान करने, और स्वयं का मूल्यांकन करने की क्षमता को भी मापती है। इस चर्चा के माध्यम से विद्यार्थी अपनी क्षमताओं पर काम करने के सुझाव प्राप्त करके अपने अध्ययन को और अधिक सुदृढ़ कर पाते हैं।

तनाव का मुकाबला करने के लिए विद्यार्थियों को सही दिशा, उदाहरण और समर्थन की आवश्यकता होती है। परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम इस उद्देश्य को सफलतापूर्वक प्राप्त कर रहा है। विगत वर्षों में इस कार्यक्रम के सफल आयोजन ने हमारे विद्यार्थियों के मस्तिष्क से तनाव कम करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को परीक्षा को एक उत्सव के रूप में मनाने का अवसर मिल पा रहा है और वे आनंदपूर्वक परीक्षा देने के महत्व को समझने लगे हैं।

मुद्दा

परीक्षा से भला डर कैसा?

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

फरवरी से सीबीएससी सहित कई अन्य बोर्डों की परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। परीक्षा के नाम से 15 से 17 साल के किशोर छात्रों में तनाव पैदा होना नई बात नहीं है। घबराहट और बेचैनी से रात की नींद और दिन का चैन गायब हो जाता है। इस मनोदशा के लिए एग्जाम फीवर और एग्जामिनोफोविया जैसे शब्द प्रचलन में हैं। जबकि चिकित्सकीय शब्दकोश में इन दोनों शब्दों का नामों निशान नहीं है। यह बेमतलब वाले फर्जी शब्द हैं। फिर भी परीक्षा के तनाव को नियंत्रित किया जाना जरूरी है, समय रहते इस पर काबू न पाया गया तो कभी-कभी छात्र अवसादग्रस्त हो जाते हैं। आजकल किशोरों में अवसाद की स्थिति आत्महत्या का कारण बनने लगी है, जोकि अत्यंत चिंताजनक बात है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने अभिभावकों से सघन संवाद बनाए रखें। खुलकर बात करें। अपनी रुचि-अभिरुचि से उन्हें अवगत कराएं, यहाँ तक कि अपने कमजोर पक्षों को भी पैरेंट से शेयर करनें में न झिझकें। बोर्ड की परीक्षाएं डरावनी लगें, तनाव का कारण बन रही हों तो स्वयं अपने अन्दर झाँकें और उन कारणों को खोजें जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। निश्चित रूप से इसकी मूल वजह मिल जाएगी। माता-पिता की बड़ी आपेक्षा, अपने को औरों की तुलना में कमतर आंकना, आत्मविश्वास की कमी, अकेलापन, मित्रों-अभिभावकों से अपनी समस्या शेयर न करना, विद्यालय की नीरस शिक्षा प्रणाली, टीनएज मानसिकता जैसे कुछ कारण इस समस्या के लिए उत्तरदायी होते हैं।

जब समस्या का पता चल जाएगा तो समाधान खोजना मुश्किल न होगा। चिंता और तनाव का कारण माता-पिता की लम्बी-चौड़ी उम्मीदें हैं तो उनसे बात करें। बेझिझक अपनी स्थिति से अवगत कराएं। वह सहानुभूति के साथ आपको समझेंगे। रास्ता भी दिखाएंगे। बच्चों के जीवन में पैरेंट से महत्वपूर्ण भूमिका किसी और की नहीं होती हैं। अगर किसी वजह से झिझक हो, अपनी बात न कह पा रहे हों तो ऐसे दोस्त की मदद ली जा सकती है, जो परेशानियों को सुनकर सही सही राय दे और समस्या को माता-पिता तक पहुंचा सके। यह समस्या के उचित समाधान की दिशा में ले जाने वाला एक अच्छा रास्ता है। समस्या है तो उसका समाधान भी होना ही होना है। समस्या को अपने अन्दर पालकर घुटन का कारण न बनने दें।

कभी-कभी बच्चे उन छात्रों से अपनी पढ़ाई-लिखाई की तुलना करने लगते हैं, जो विद्यालय में अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन कर रहे होते हैं। यह ठीक नहीं है, हर बच्चे की अपनी क्षमता व लर्निंग स्टाइल होती है। इसलिए दूसरे से अपनी तुलना करके अनावश्यक तनाव को आमंत्रित नहीं करना चाहिए। अपने ढंग से पढ़ाई करना श्रेयशकर होता है। परीक्षा से पूर्व हर स्कूल में अच्छे अंक लाने के तौर तरीके और शार्टकट विधियाँ बताई जाती हैं। इन्हें ध्यान में रखकर तैयारी करना बेहतर परिणाम का विकल्प है। परीक्षा कोई हौवा नहीं है। यह मूलतः बच्चे जो साल भर पढ़े हैं, उसे परखने का माध्यम है। अगर अच्छी तैयारी है तो डर किस बात का? तैयारी अपूर्ण है तो अंतिम दिनों में पढ़कर भी भी काफी कुछ हासिल किया जा सकता है। बस, आत्मविश्वास बनाए रखें। यह परीक्षा में अच्छे अंक लाने और परीक्षा पास कराने का सबसे सफल सूत्र है। पढ़ाई के समय मन को तनाव, बेचैनी और दुश्चिंता से बचाएं। एकाग्र होकर पढ़ें। फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान भी पढ़ते रहें।

हमेशा पढ़ते रहना अच्छी बात नहीं है। परीक्षा की तैयारी के दिनों में भी प्रयाप्त नींद लेना जरूरी होता है। हाँ, तली-भुनी चीजों और फास्ट फूड से परहेज रख सकें तो बेहतर होगा। एक बार में ज्यादा न खाएं, इससे नींद व आलस्य बढ़ता है। किन्तु भूख न मारें। थोड़ा-थोड़ा तीन बार में खाएं। कुछ समय खेलकूद के लिए भी निकालना अच्छा रहता है। पढ़ाई के लिए लम्बी सिटिंग से बचें। अपनी सेहत का ध्यान रखें। जब पढ़ाई से थकान आ जाए तो कुछ देर घूम-टहल लें। जितनी पढ़ाई किए हैं, उसके के विषय में मित्रों के साथ थोड़ी बातचीत करना ठीक रहता है। इससे पढ़ा हुआ पाठ अच्छी तरह स्मृति में बैठ जाता है। परीक्षा की तैयारी के नाम पर अपनी स्वाभाविक दिनचर्या से कट जाना एकाग्रता और स्मरण के लिए ठीक नहीं होता। ऐसी स्थिति में याद किया हुआ पाठ स्मृतिकोष का स्थायी हिस्सा नहीं बन पाता है।

परीक्षा की तैयारी के दिनों में भी प्रयाप्त नींद लेना जरूरी होता है। हाँ, तली-भुनी चीजों और फास्ट फूड से परहेज रख सकें तो बेहतर होगा। एक बार में ज्यादा न खाएं, इससे नींद व आलस्य बढ़ता है। किन्तु भूख न मारें। थोड़ा-थोड़ा तीन बार में खाएं। कुछ समय खेलकूद के लिए भी निकालना अच्छा रहता है। पढ़ाई के लिए लम्बी सिटिंग से बचें। अपनी सेहत का ध्यान रखें। जब पढ़ाई से थकान आ जाए तो कुछ देर घूम-टहल लें। जितनी पढ़ाई किए हैं, उसके के विषय में मित्रों के साथ थोड़ी बातचीत करना ठीक रहता है। इससे पढ़ा हुआ पाठ अच्छी तरह स्मृति में बैठ जाता है। परीक्षा की तैयारी के नाम पर अपनी स्वाभाविक दिनचर्या से कट जाना एकाग्रता और स्मरण के लिए ठीक नहीं होता।

आज जो है उसे देखें। अच्छे मार्क्स न आए तो मनमाफिक विषय और कालेज में एडमिशन नहीं हो पाएगा, जैसी बातों में उलझकर समय जाया न करें। भविष्य को लेकर चिंतित होना खासकर परीक्षा वाले दिनों में ठीक नहीं। आगे चलकर जिस स्कूल और विषय में एडमिशन होगा, उसमें भी आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर होंगे। यह कदापि न भूलें, जीवन से बढ़कर न परीक्षा है और न ही अंक या ग्रेड! अपने जीवन में सफलता दृढ़ निश्चय, लक्ष्य के प्रति एकाग्रता, और निरन्तर प्रयास से मिलती है। परीक्षा में मिले अंक या ग्रेड इसमें विशेष मदद नहीं करते। सचिन तेंदुलकर दसवीं की परीक्षा में फेल हो गए थे और अगली कक्षाओं में भी उनका प्रदर्शन औसत से ऊपर नहीं था। ध्यान देने की बात है, आज वह कठिन परिश्रम और धैर्य से एक एक कदम आगे बढ़ते हुए एक बड़ा मुकाम हासिल कर चुके हैं।

मैं यह नहीं कह रहा कि बोर्ड एग्जाम की तैयारी का कोई मतलब नहीं। निश्चित रूप से यह जरूरी है, किन्तु पहले आत्मनिरीक्षण करें। स्वमूल्यांकन के बाद छोटे-छोटे लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ें। सफलता जरूर मिलेगी। परीक्षा शिक्षाकाल का एक पड़ाव है। यह आखिरी परीक्षा नहीं है। अभी और इम्तिहान आएंगे, उसमें सुधार का मौका मिलेगा। इसलिए एक विषय का पेपर खराब हो जाए अथवा परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन न कर पाएं, तो यह अवसाद या हताशा का कारण नहीं बनना चाहिए। इस स्थिति में पड़कर कई बच्चे आत्मघाती कदम उठा लेते हैं। यह न भूलें कि हम मनुष्य की संतान हैं, मानव का हर बच्चा विशिष्ट और प्रतिभावान होता है। सिर्फ जरूरत होती है, उसकी प्रतिभा और उस अभिरुचि की पहचान की, जहां वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदेय देश और समाज को दे सके। इतिहास गवाह है, महात्मा गांधी, विंस्टन चर्चिल, अल्बर्ट आइंस्टीन, रवीन्द्रनाथ टैगोर, जवाहरलाल नेहरू जैसे वैश्विक ख्याति वाले व्यक्ति पढ़ाई के दिनों में टापर या फर्स्ट डिवीजनर नहीं थे। इनकी शैक्षिक संप्राप्ति औसत से भी कमतर थी। फिर भी यह अपने अपने क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल किए। यह बात सब पर लागू होती है। आत्मविश्वास बनाए रखें, रचनात्मक और आशावान बनें, आस्थावान भी...। सब ठीक होगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अनावरण

हैदराबाद में अभिनेत्री उल्का गुप्ता, कुशिता, रिची रेड्डी और अन्य ने रविवार को हैदराबाद में रामानायडू स्टूडियो, फिल्म नगर में माई साउथ दिवा कैलेंडर-2024 का अनावरण करते हुए।

नीतीश कुमार: बिहार में सबसे लंबे समय से मुख्यमंत्री, जिनकी पार्टी को अपने बूते कभी बहुमत नहीं मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने खुद को एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित किया है, जिन्होंने सबसे लंबे समय तक बिहार में शासन किया, जबकि उनकी पार्टी कभी भी अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर पाई। इस उपलब्धि के पीछे छिपा हुआ तथ्य और उनका राजनीतिक कौशल यह है कि नीतीश (72) कभी भी अपने सहयोगियों के साथ सहज नहीं रह सके, जिसके कारण उन्हें कई बार साझेदार बदलने पड़े। भागलपुर से कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा ने चुटकी लेते हुए कहा, जितनी बार नीतीश कुमार ने भाजपा के साथ गठबंधन किया, साथ छोड़ा और फिर से गठबंधन किया, उसके लिए उनका नाम 'गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज होने लायक है। शर्मा ने वर्ष 2013 में नीतीश के भाजपा से नाता तोड़ने के बाद की गई उनकी उस टिप्पणी का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने (नीतीश ने) कहा था, मिट्टी में मिल जाएंगे मगर भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अपने चार दशकों के राजनीतिक करियर में अवसरवादिता का आरोप और पलटू राम जैसे नामों के साथ नीतीश पर तंज कसा जाता रहा। हालांकि, उनके ऐसे प्रशंसकों की भी कमी नहीं है जो उन्हें भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से दूर रहने और धार्मिक बहुसंख्यकवाद के आगे कभी नहीं झुकने वाला नेता करार देते रहे। एक मार्च, 1951 को पटना के बाहरी इलाके बख्तियारपुर में एक आयुर्वेदिक चिकित्सक-सह-स्वतंत्रता सेनानी के घर जन्मे नीतीश ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। पटना के बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज (अब राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) से पढ़ाई करने के समय नीतीश छात्र राजनीति में आए और 'जेपी आंदोलन' से जुड़े। इस आंदोलन में शामिल लालू प्रसाद और सुशील कुमार मोदी सहित अपने कई सहयोगियों से उनकी नजदीकी बढ़ी। फिर वह पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष और महासचिव बने। नीतीश को पहली चुनावी सफलता 1985 के विधानसभा चुनाव में मिली, जिसमें कांग्रेस ने शानदार जीत हासिल की, हालांकि वह लोकदल के लिए हरनौत सीट जीतने में कामयाब रहे। पांच साल बाद, वह बाढ़ सीट से सांसद चुने गए। इसके बाद, जब मंडल लहर अपने चरम पर थी और प्रसाद इसका लाभ उठा रहे थे, नीतीश ने जॉर्ज फर्नांडीस के साथ मिलकर समता पार्टी बनाई, जो बाद में जनता दल (यूनाइटेड) में तब्दील हो गई।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद युवाओं को दिख रहीं अयोध्या में रोजगार की अपार संभावनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। अयोध्या में भगवान श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद यहां रोजगार की अपार संभावनाएं दिखने लगी हैं और इस शहर के युवा भविष्य में मिलने वाले अवसर का लाभ उठाना चाहते हैं। देश की शीर्ष अदालत ने 2019 में जब अपने ऐतिहासिक फैसले में अयोध्या के विवादित स्थान पर राम मंदिर के निर्माण का आदेश दिया था, तब दिलीप पांडेय दिल्ली में एक कपड़ा फर्म में दर्जी का काम करते थे। अयोध्या के मूल निवासी, पांडेय 2020 में कोविड-19 की पहली लहर में अपने घर लौट आए थे और तभी उन्होंने अवसर को भांप लिया था तथा कभी वापस न लौटने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री रामलला के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हुई और अब लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन के लिए यहां उमड़ रहे हैं। दिलीप पांडेय वर्तमान में एक छोटी परिवहन कंपनी संचालित करते हैं जो देश के विभिन्न हिस्सों से अयोध्या आने वाले लोगों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराती है। नवनिर्मित राम मंदिर के उद्घाटन के साथ पांडेय (28) ने अब अयोध्या आने वाले भक्तों की भीड़ की जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यवसाय का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

पांडेय ने कहा, वर्तमान में मेरे पास तीन मध्यम आकार की वैन हैं, जिन्हें आगंतुक अयोध्या के चारों ओर यात्रा करने के लिए किराये पर लेते हैं। भक्तों की संख्या में वृद्धि के साथ, मैंने भक्तों के लिए दो एसयूवी खरीदने के लिए ऋण लेने की योजना बनाई है। हालांकि पढ़ाई में रुचि होने के बावजूद उन्होंने नौकरी शुरू करने के लिए अयोध्या में कॉलेज के प्रथम वर्ष की पढ़ाई छोड़ दी। उन्होंने कहा, कुछ साल पहले अयोध्या हमारे लिए कुछ पुराने मंदिरों से ज्यादा कुछ नहीं थी। मुझे यहां कोई अवसर नहीं दिख रहा था इसलिए काम की तलाश में यह जगह छोड़ने का फैसला किया। मुझे लगता है कि अब स्थिति बदल गई है। पांडेय की तरह, मंदिर शहर के युवा भविष्य में मिलने वाले अवसर को देखते हैं और यहां इसका लाभ उठाना चाहते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, सेवा उद्योग में विशेष रूप से पर्यटन से जुड़े क्षेत्रों में अवसर मौजूद हैं। स्थानीय लोगों को इसकी संभावना तब दिखी, जब प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के अगले दिन मंगलवार (23 जनवरी) को दुनिया भर से पांच लाख से अधिक भक्तों ने दर्शन किए। मंदिर ट्रस्ट के अधिकारियों के अनुसार, सप्ताह के अंत तक आगंतुकों की संख्या 10 लाख तक पहुंच गई।

भारत में जनजातीय समुदाय धर्मांतरण प्रयासों के 'निशाने' पर : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिब्रूगढ़।असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को दावा किया कि अक्सर ही जनजातीय समुदाय मुख्य धारा के धर्मों द्वारा धर्मांतरण प्रयासों के निशाने पर रहे हैं जहां भौतिक लाभ का लालच देकर लोगों को बहलाया फुसलाया जाता है। उन्होंने युवा पीढ़ी से जनजातीय लोगों की आस्थाओं एवं धर्मों को बरकरार रखने का आग्रह किया और इस सिलसिले में सरकार द्वारा किये गए उपायों का भी उल्लेख किया। शर्मा यहां एक फरवरी तक चलने वाले आठवें 'इंटरनेशनल कांफ्रेंस एंड गैदरिंग ऑफ एल्डर्स' के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे।

इसका आयोजन इंटरनेशनल सेंटर फॉर कल्चरल स्टडीज (आईसीसीएस) ने किया है जो विश्व की प्राचीन परंपराओं एवं संस्कृतियों के आध्यात्मिक गुरुओं के लिए एक गैर-लाभकारी सामाजिक-सांस्कृतिक मंच है। वैश्विक स्तर पर और साथ ही भारत तथा असम में, जो कई जनजातियों और समुदायों का घर है, स्थानीय आस्थाओं और संस्कृति के महत्व पर जोर देते हुए शर्मा ने कहा कि सदियों पुरानी इन मान्यताओं को संरक्षित करना आवश्यक है क्योंकि ये देश के सांस्कृतिक परिदृश्य का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, भारत में जनजातीय समुदाय अक्सर ही मुख्यधारा के धर्मों द्वारा धर्मांतरण प्रयासों के निशाने पर रहे हैं। विभिन्न धार्मिक समूहों द्वारा की जाने वाली मिशनरी गतिविधियों के परिणामस्वरूप स्थानिक आस्था का पालन करने वाली आबादी में गिरावट आ सकती है। उन्होंने दावा किया कि मिशनरी संगठनों द्वारा प्रदान किए जाने वाले भौतिक लाभ, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल का प्रलोभन व्यक्तियों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे जनजातीय धार्मिक परंपराओं का धीरे-धीरे क्षरण हो रहा है और इन आस्थाओं का पालन करने वाली जनसंख्या में कमी का संस्कृति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने इस संबंध में बिरसा मुंडा के योगदान को याद किया और यह भी बताया कि कैसे महात्मा गांधी ने बड़े पैमाने पर होने वाले धर्मांतरण का कड़ा विरोध किया था।

शिष्य के साथ मारपीट करने का राहत फतेह अली खान का वीडियो वायरल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। राहत फतेह अली खान उस समय विवादों के केंद्र में आ गये, जब उनका एक व्यक्ति को कथित तौर पर थप्पड़ मारने का वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर काफी प्रसारित हुआ। इसके बाद प्रसिद्ध पाकिस्तानी गायक ने कहा कि यह उनकी छवि खराब करने का प्रयास है। कथित वीडियो में, खान को उस व्यक्ति के साथ मारपीट करते हुए देखा जा सकता है, जिसे बाद में राहत फतेह अली खान ने अपना शिष्य नावेद हसनैन बताया। वीडियो में वह (राहत फतेह अली खान) पूछते दिख रहे हैं, मेरी बोतल कहाँ है?

एक मिनट से अधिक की वीडियो क्लिप वायरल होने के कुछ घंटों बाद ही खान का नाम सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर ट्रेंड करने लगा। कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने गायक की उनके दुर्व्यवहार के लिए आलोचना की।

हालांकि, यह पता नहीं चल सका कि उक्त वीडियो को कब और कहां रिकॉर्ड किया गया। मन की लगन और जिया धड़क धड़क-- जैसे हिंदी फिल्मी गानों के लिए प्रसिद्ध गायक ने बाद में स्पष्टीकरण के रूप में इंस्टाग्राम पर एक के बाद एक कई वीडियो साझा किये। उनचास वर्षीय खान ने वायरल वीडियो को एक गुरु और उनके शिष्य के बीच का आंतरिक मामला बताया। लोकप्रिय गायक राहत फ़तेह अली खान ने वीडियो में कहा आपने इन वीडियो में जो कुछ भी देखा है, वह एक उस्ताद और एक शागिर्द (शिष्य) के बीच का आंतरिक मामला है। जब कोई शिष्य अच्छा काम करता है, तो हम उसकी काफी प्रशंसा करते हैं और जब वे गलती करते हैं, तो हम उन्हें दंडित करते हैं। साथ ही... मैंने उसी समय उनसे माफी मांगी थी... एक अन्य वीडियो में, खान ने कहा कि वीडियो रिकॉर्ड करने वाला व्यक्ति उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, ये मुझे बदनाम करने और मुझे एक अत्याचारी के रूप में चित्रित करने की कोशिशें हैं, लेकिन मैं उनसे कहता हूं कि वे पहले खुद पर नजर डालें। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई उपयोगकर्ताओं ने खान की आलोचना की और दावा किया कि यह बवाल शराब की एक खोई हुई बोतल को लेकर था।

हसनैन के अनुसार, उन्होंने एक बोतल खो दी थी, जिसमें पवित्र जल था। उन्होंने कहा, मैं भूल गया था कि मैंने वह बोतल कहाँ रखी थी, जिसमें 'पीर साहब का दम का पानी' (पवित्र जल) था। उन्होंने कहा अल्लाह जानता है कि हमारे उस्ताद हमसे बहुत प्यार करते हैं।

राजकुमार हिरानी ने मतदाता जागरूकता पर शॉर्ट फिल्म रिलीज की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी ने मतदाता जागरूकता पर शॉर्ट फिल्म बनाने के लिए भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के साथ हाथ मिलाया है। देश में 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस था।

इस मौके पर रिलीज हुई शॉर्ट फिल्म का नाम माई वोट, माई ड्यूटी (मेरा वोट, मेरी ड्यूटी) है। फिल्म वैल्यू ऑफ वन वोट थीम पर आधारित है। फिल्म में अमिताभ बच्चन, सचिन तेंदुलकर, राजकुमार राव, आर. माधवन, रवीना टंडन, विक्की कौशल, बोमन ईरानी, अरशद वारसी, भूमि पेडनेकर और मोना सिंह हैं। सभी ने फिल्म में मतदाता जागरूकता के खास मैसेज दिए हैं।

ईसीआई ने एक बयान में कहा, फिल्म का उद्देश्य प्रत्येक वोट के महत्व की पुष्टि करते हुए बेरुखी और उदासीनता जैसी व्यवहार संबंधी बाधाओं को दूर करना है। राजकुमार हिरानी द्वारा निर्मित और संजीव किशनचंदानी द्वारा निर्देशित यह फिल्म नागरिकों को अपने वोट के महत्व को पहचानने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करती है। फिल्म हर एक वोट के प्रभाव पर प्रकाश डालती है। बता दें कि राजकुमार हिरानी की शाहरुख खान स्टारर हालिया रिलीज डंकी को दुनिया भर के सभी आयु वर्ग के दर्शकों ने पसंद किया था। फिल्म ने अपनी दिल छू लेने वाली कहानी ने सिनेमाघरों में अपनी जगह बनाई। इसमें तापसी पन्नू, विक्की कौशल और बोमन ईरानी भी प्रमुख भूमिकाओं में थे।

बंगाली फिल्म अभिनेत्री श्रीला मजूमदार ने कैंसर से हारी जंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड इंडस्ट्री में एक बार फिर शोक की लहर दौड़ गई है। फेमस एक्ट्रेस का निधन हो गया है, उन्होंने 65 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। एक्ट्रेस काफी समय से कैंसर से जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही थी और फिर शनिवार 27 जनवरी को एक्ट्रेस हार गई और उनकी मौत हो गई। ऐश्वर्या के साथ किया था काम

रिपोर्ट्स के अनुसार एक्ट्रेस साढ़े तीन साल से ओवेरियन कैंसर से जंग लड़ रही थी। उनका निधन कोलकाता के एक हॉस्पिटल में हुआ है। बंगाली सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेसेस श्रीला का नाम काफी फेमस था। उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मे भी दी हैं। बता दें कि श्रीला मजूमदार ने ही फिल्म चोखेर बाली में ऐश्वर्या राय के लिए वॉयस डबिंग की थी। श्रीला ने दी शानदार फिल्में एक्ट्रेस का फिल्मी सफर काफी शानदार रहा है। उन्होंने साल 1980 में फिल्म 'परशुराम' से डेब्यू किया था। इसके बात उन्होंने कई हिट फिल्में दी, जिसमें 'द पार्सल चोख', 'अमर पृथ्वी', 'खरजी', 'असोल नकोल' और 'नागमोती' जैसी फिल्में शामिल हैं। श्रीला ने बॉलीवुड के फेमस चेहरों जैसे-नसीरुद्दीन शाह, स्मिता पाटिल, शबाना आजमी के साथ भी काम किया था।

फातिमा सना शेख अपनी अगली फिल्म के लिए पंजाब लौटीं

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री फातिमा सना शेख, जिन्हें हाल ही में थिएटर फिल्म 'सैम बहादुर' में देखा गया था, अपनी आगामी फिल्म 'उल जलूल इश्क' की शूटिंग के लिए पंजाब लौट आई हैं।अभिनेत्री ने इसी राज्य में अपनी पहली फिल्म 'दंगल' की शूटिंग की थी, जिसमें उन्होंने भारतीय पहलवान गीता फोगाट की भूमिका निभाई थी। गीता ने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में देश के लिए स्वर्ण पदक जीता था।'दंगल' के निर्माण के दौरान पंजाब और हरियाणा के गुज्जरवाल, नारंगवाल, किला रायपुर, डांगो और लील गांवों में शूटिंग करने का मौका पाकर फातिमा पुरानी यादों की लहर में डूब गई हैं।'उल जलूल इश्क' में नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा और शारिब हाशमी भी हैं।फातिमा की आखिरी रिलीज, 'सैम बहादुर' में उन्हें भारत की दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चित्रण के लिए प्यार और प्रशंसा मिली है।फातिमा ने पिछले महीने 'दंगल' के साथ इंडस्ट्री में सात साल पूरे किए। यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई मनोरंजन नहीं थी, बल्कि यह एक सांस्कृतिक घटना थी, जिसमें वास्तविक जीवन की कुश्ती चैंपियन के रूप में फातिमा के चित्रण ने उन्हें समान मात्रा में प्रशंसा और प्रशंसा अर्जित की।फातिमा ने कहा, 'दंगल' को 7 साल हो गए हैं, एक ऐसी फिल्म जिसने सिनेमा में मेरी शुरुआत की और मुझे खुशी के आंसू, खुशी और शाश्वत यादें दीं। 'दंगल' से लेकर 'धक धक' तक मेरा फिल्म करियर खुशियों, आंसुओं, खुशियों और दुखों के साथ भावनाओं की उतार-चढ़ाव भरी सवारी रहा है।'

'उन्होंने कहा, गीता फोगाट हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखेंगी और इस किरदार को मिले सभी प्यार के लिए मैं आभारी हूं। यहां उनके सात साल के कार्यकाल, 'दंगल' परिवार के लिए, जिसने इसे संभव बनाया और इस अद्भुत फिल्म के जादू के बारे में बताया।

ऋचा चड्ढा की 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' ने सनडांस फिल्म फेस्ट में जीते दो पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। ऋचा चड्ढा और अली फजल की पहली फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स ने 2024 सनडांस फिल्म फेस्टिवल में दो पुरस्कार जीते हैं। भारत-अमेरिका सह-निर्माण में बना वृत्तचित्र नोक्टर्न्स को भी पार्क सिटी, यूटा में आयोजित महोत्सव के वार्षिक पुरस्कारों सम्मान मिला।

शुचि तलाती द्वारा निर्देशित गर्ल्स विल बी गर्ल्स ने विश्व सिनेमा नाटकीय प्रतियोगिता के लिए ऑडियंस अवार्ड जीता, जबकि इसकी मुख्य अभिनेत्री प्रीति पाणिग्रही ने अभिनय के लिए विश्व सिनेमा नाटकीय विशेष जूरी पुरस्कार जीता। अनिर्बान दत्ता द्वारा निर्देशित नोक्टर्न्स ने शिल्प के लिए

विश्व सिनेमा वृत्तचित्र विशेष जूरी पुरस्कार जीता। निर्माताओं के अनुसार, गर्ल्स विल बी गर्ल्स उत्तरी भारत के एक छोटे से हिमालयी पहाड़ी शहर के एक बोर्डिंग स्कूल पर आधारित है।

यह 16 वर्षीय लड़की मीरा की यात्रा का अनुसरण करती है। एक संयुक्त बयान में, चड्ढा और फज़ल ने कहा कि उन्होंने सनडांस में अपने पहली फिल्म के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया की कभी उम्मीद नहीं की थी। उहोंने कहा इस अनुभव से हमारा कहानी कहने की शक्ति पर विश्वास मजबूत हो गया है। अभिनेता के रूप में हम हमेशा सशक्त कहानियों के इच्छुक रहे हैं, लेकिन उन अवसरों को प्राप्त करना हमेशा हमारे हाथ में नहीं था। यही कारण है कि हमारे नए अभिनेता को यह वैश्विक प्रशंसा प्राप्त करते हुए देखना खुशी की बात है। यह मान्यता हमें सीमाओं को पार करने और नई कहानियां सुनाने के लिए प्रेरित करती है। 'सनडांस फिल्म फेस्टिवल' का 2024 संस्करण 'सनडांस ऑर्गनाइजेशन' द्वारा प्रस्तुत किया गया, जो एक गैर-लाभकारी संस्था है जो स्वतंत्र कलाकारों की खोज और समर्थन करती है, और दर्शकों को उनके काम से परिचित कराती है।

फिल्म 'सास हैं कि डायन' की शूटिंग शुरू

मुंबई/वार्ता

देव सिंह और शुभी शर्मा स्टारर भोजपुरी फिल्म सास हैं कि डायन की शूटिंग शुरू हो गयी है। भोजपुरी फिल्म सास हैं कि डायन के निर्माता अंशुमन सिंह जबकि फिल्म के निर्देशक राजकिशोर प्रसाद राजू हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है।फिल्म के निर्माता अंशुमन सिंह ने बताया कि भोजपुरी फिल्म सास हैं कि डायन एक अलग कॉन्सेप्ट की फिल्म है, जो दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करेगी। हम इस फिल्म को बिग स्केल के साथ बना रहे हैं। वहीं देव सिंह ने फिल्म को लेकर कहा कि किरदार दमदार हो तो दर्शक खुद ब खुद फिल्म की ओर खिंचे चले आते हैं। फिल्म सास हैं कि डायन एक व्यंग है जो की सास बहू के रिश्ते की कहानी को खाने वाली है इस फिल्म में मेरा किरदार बेहतरीन है जिसको लेकर मैं खूब मेहनत भी कर रहा हूं उम्मीद करता हूं कुछ दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी।

शुभी शर्मा ने फिल्म को महिला प्रधान

बताते हुए कहा कि भोजपुरी सिनेमा का जब से नजरिया बदला है, तब से एक से एक बढ़कर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर आ रही है। उन फिल्मों की श्रृंखला में यह फिल्म भी है, जिसे कोई भी अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर देख सकता है। यह फिल्म भी कथ्य प्रधान है। फिल्म की कहानी क्या है और मेरी भूमिका क्या होने वाली है इस पर मैं थोड़ा सस्पेंस रखना चाहती हूं। बस मैं उम्मीद करती हूं कि आप सबों का प्यार और आशीर्वाद हम सब को मिलता रहे। जास मोशन पिक्चर के बैनर से बन रही भोजपुरी फिल्म सास हैं कि डायन के निर्माता अंशुमन सिंह, निर्देशक राज किशोर प्रसाद राजू और कार्यकारी निर्माता सुभाष चव्हाण हैं। लेखक सुरेन्द्र मिश्रा और विवेक मिश्रा हैं। डीओपी हरेश सावंत हैं। संगीतकार अमन श्लोक हैं। इस फिल्म में देव सिंह ,शुभि शर्मा ,ऋचा दीक्षित के साथ रितेश उपाध्याय , राम सुजान सिंह , जे नीलम , सोनिया मिश्रा, विद्या सिंह, रोहित सिंह मटरू , ज़ाफ़री , सहिस्ता रॉय , रागिनी दूबे मुख्य भूमिका में हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | सोमवार | 29-01-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जिस प्रकार फूलों में सर्वश्रेष्ठ गुलाब होता है वैसे ही गुरुओं में भी सर्वश्रेष्ठ है गुरु राजेन्द्रसूरीश्वरजी। गुरु का उपकार जिस पर हो जाता है उसका कल्याण हो जाता है। गुरु हमेशा पुण्य से व पुण्यशाली को मिलते हैं और जिसको भी मिलते है उसका जीवन सफल हो जाता है। राजेन्द्र सूरी ने जिनशान के लिए अनेक कार्य किए तथा उन्हें अनेक पदवियों से नवाजा गया परन्तु उन्होंने कभी की पद व पदवी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राजेन्द्र सूरी एवं सरल व तपस्वी संत थे।

संत नामदेव महाराज की प्राण प्रतिष्ठा हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजस्थान नामदेव छीपा समाज के तत्वावधान में वायसरपाड़ी में नवनिर्मित मंदिर परिसर में दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुई। प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरुआत में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन हुआ। जिसमें बैंड बाजे के साथ सुंदर रथ में सवार प्रतिष्ठित होने वाली देव प्रतिमाओं के साथ कलश यात्रा हुई। लगभग 101 महिलाओं द्वारा कलश धारण किया गया। जय श्री विट्ठल के जयकारों से बहुत आनंद बरसा। आचार्यों द्वारा महायज्ञ का आयोजन वैदिक मंत्रोचार से किया गया। रात्रि में भजन जागरण का आयोजन के पश्चात दूसरे दिन शुभ मुहूर्त में बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के स्वामीजी के सान्निध्य में भगवान श्री पांडुरंग विट्ठल, श्री नामदेव, श्री गणेश, श्री हनुमान, मां सरस्वती, एवं श्री शिव परिवार मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा विधि विधान सहित संपन्न हुई। महाआरती एवं महाप्रसादी फले चुनंड़ी का आयोजन किया गया। प्रतिष्ठा में चेन्नई के अलावा, गुजरात, राजस्थान कर्नाटक आदि जगहों से भी समाज के बंधु उपस्थित हुए। कार्यकर्ताओं द्वारा अति उत्साह के साथ सभी कार्य सम्पन्न हुए।

सामूहिक एकासन तप द्वारा मनाया जैनाचार्य गुरु पार्श्व अमृत महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन सन्त डॉ. पदमचन्द्र म. सा.की शिष्याएँ जयगच्छीय समणी डॉ. सुयशनिधि एवं सुयोगनिधि के पावन सान्निध्य में जे.पी. पी अहिंसा रिसर्च फाउण्डेशन के तत्त्वावधान में एलएन पुरम् में जेपीपी जैन समणी सेन्टर के विशाल प्रांगण में जयगच्छाधिपति आचार्यश्री पार्श्वचन्द्र म. सा. का 75 वां जन्म दिवस जप-जाप, तप-त्याग, दान-पुण्य के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समणीद्वय ने जय-जाप द्वारा किया। एलएन पुरम् के विमल शांति महिला मण्डल ने स्वागत एवं गुरु भक्ति गीत को प्रस्तुत किया। प्रगति सियाल ने आचार्यश्री के प्रति श्रद्धा भक्ति समर्पित करते हुए जन्मोत्सव का भजन गाया। संगीता कावेडिया ने पार्श्व गुरु के जीवन पर प्रकाश डालते हुए प्रस्तुति दी।

जे.पी. पी. जैन महिला फाउण्डेशन, एल. एन. पुरम का भव्य उद्घाटन करने के साथ-साथ अमिता नाहर को अध्यक्ष एवं मीना कटारिया को मंत्री के रूप में मनोनीत किया गया। अनेक महिलाओं ने अपना बहुमुखी विकास करने हेतु इस संस्थान से जुड़ने का भाव प्रकट किया। रंजिता एवं वन्दना ने अध्यक्ष एवं मंत्री को बैज पहनाकर सम्मान दिया। जेपीपी जैन प्रसादं प्रोजेक्ट 2024 का भी शुभारंभ किया गया, जिसके

अन्तर्गत प्रति माह अमावस्या के दिन लगभग 500 लोगों को प्रसादं वितरित कर अन्न पुण्य उपार्जन कर सकते हैं। वर्ष 2024 के सभी अमावस्या के प्रसादं के लाभार्थी अपना नाम अंकित कर चुके हैं, जिनको संचालनकर्ता मनोहरलाल डुंगरवाल ने आभार व्यक्त किया। कांता-मूलचन्द बागरेचा ने जे.पी.पी. जैन महिला फाउण्डेशन को धन राशि का सहयोग प्रदान किया और अध्यक्ष अमिता नाहर एवं मंत्री मीना कटारिया ने अपने भाव प्रस्तुत करते हुए जुडने का आमंत्रण दिया। विमलचन्द जांगडा ने जन्मोत्सव की शुभकामना अपने भजन द्वारा दी। अभिषेक चौपडा ने आचार्य भगवन् की विशेषताओं को अपने वक्तव्य द्वारा प्रस्तुत किया। जेके महावीर चौरडिया ने भी अपने भाव प्रकट किए।

विशेष अतिथियों के रूप में अ.भा. श्वे. स्था. जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य महेन्द्र कुमार मेहता और रोशनलाल नाहर, ऑल इन्डिया जेपीपी जैन महिला फाउण्डेशन के राष्ट्रीय मंत्री आशा अनिल कटारिया, सिकन्द्राबाद निवासी, श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्रीरामपुरम के अध्यक्ष शांतिलाल खिंवसरा, श्री वर्धमान स्था. जैन श्रावक संघ, राजाजी नगर के अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।

डॉ. समणी सुयशनिधि ने उद्बोधन देते हुए आचार्य पार्श्वचन्द्र महाराज के जीवन की अद्भुत विशेषताओं पर प्रकाश डाला। प्रवचन के पश्चात् चमत्कारी जय जाप का आयोजन रखा गया जिसमें श्रद्धालुगण ने बढ़ चढ़ कर लाभ लिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में समणी डॉ. सुयशनिधि ने बड़ी मांगलिक श्रवण करवाया। 100 से अधिक भक्त गणों ने एकासन कर अमृत महोत्सव में अपनी सहभागिता प्रदान की। एकासन तप के दौरान दस लक्की ड्रॉ निकाले गए और विजेताओं को जेपीपी की ओर से पांच ग्राम चांदी के सिक्कों से पुरस्कृत किया गया।

बैलगाड़ी दौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के वैलालुर में मोदी रेकला रेस (बेलगाड़ी दौड़) में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई उपस्थित रहे। उन्होंने बैलगाड़ी में बैठकर सभी उपस्थितों का अभिवादन किया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में मारुति ऑल्टो कार दी गई और विजेता प्रतिभागियों को एक सोने का सिक्का प्रदान किया गया।

धन का सदुपयोग करें, धर्म में दान करें : आचार्य महेन्द्रसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। यहां आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में आचार्य श्री महेन्द्रसागरसूरिजी ने रविवार को अपने प्रवचन में कहा कि पैसा पाना यह पुण्य है किन्तु पैसों का अच्छे काम में उपयोग होना यह देव गुरु की कृपा है। इस पर विस्तार से समझाते हुए उन्होंने कहा कि पैसा तो हम कमा लेते हैं लेकिन पैसे का सदुपयोग कैसे हो यह केवल देव गुरु की कृपा से ही संभव है। अन्यथा पैसे बार, बोतल, होटल और रिसोर्ट में उड़ाने से जीवन में तकलीफ बढ़ती हैं। वहीं अच्छे कार्यों में पैसा का उपयोग हो तो उससे समाज, परिवार और राष्ट्र का विकास होता है। हमारे गुरुओं ने हमें धर्म मार्ग प्रशस्त किया है। हमें भवफेरों से दुख दूर करने के उपाय बताकर हमारे ऊपर उपकार किया है। उनकी भक्ति में धन का उपयोग हो तो अधिक लाभ होता है। दान हमेश धर्म के लिए प्राथमिकता से करना चाहिए। धर्म का पहला कदम दान है। पुण्यवृद्धि का कारण है। दान धन पाने के लिए हुए पापों की शुद्धि का उपाय है। दान का लाभ किस पात्र में हुआ उस पर से लाभ होता है। धर्म में किया हुआ दान व्यर्थ नहीं जाता है।

आत्मा की प्यास आत्मा को परमात्मा बना सकती है : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित रविवारीय सामूहिक सामायिक एवं प्रवचन में साध्वी डा. प्रतिभाश्री जी ने कहा कि प्रत्येक मानव के पास शरीर की प्यास के साथ मन और आत्मा की प्यास होती हैं। प्यास बुझाने के लिए व्यक्ति का पुरुषार्थ ही परिणाम उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि शरीर की प्यास तो मात्र पानी से भी पूरी हो सकती हैं। किन्तु मन की प्यास व्यक्ति को बहुत परेशान करती हैं। यश, धन, सुख, संपन्नता आदि मन की प्यास हैं। मन चाहता है कि दुनिया में मात्र मेरी ही चले।

मै जो चाहूं वह हो जाए। सर्वत्र मेरी वाहवाही होए। यह तृष्णा अंतहीन होती हैं और मात्र संतोष और सरलता से ही यह प्यास थोड़ी बुझ सकती हैं। नाम और धन न किसी का रहा है और न रहेगा।

साध्वी प्रतिभाश्रीजी ने कहा कि आत्मा की प्यास आत्मा को परमात्मा बना सकती हैं। वह व्यक्ति मात्र परमात्मा के बताये रास्ते को ही अपनाता है और अंदर के अहंकार को विराम दे देता है। जिसने भी आत्मा की आवाज सुनी है, उन्होंने मानव भव को सार्थक कर लिया है।

एलगुंडापाल्यम से विहार कर अलसूर पहुंचे साध्वीश्री एवं अन्य सतियों का संघ की ओर से स्वागत करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि सोमवार का प्रवचन महावीर भवन अलसूर में आयोजित रहेगा। गणेश बाग के लिए विहार करते हुए श्री विनयमुनिजी 'खींचन', साध्वीश्री से धर्म चर्चा हेतु कुछ समय के लिए जैन भवन रुके।

संस्कार जैन वाटिका परीक्षा गदग में हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। श्री वर्धमान जैन मंडल चेन्नई की ओर से संचालित वर्धमान कुंवर जैन संस्कार वाटिका की वार्षिक परीक्षा 2023-24 के लिए देश भर के 70 से अधिक केन्द्रों पर 7 हजार से भी ज्यादा बच्चों ने परीक्षा दी।

गदग में राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ द्वारा जैन पार्श्वनाथ मंदिर में परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा से राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के पूर्व अध्यक्ष पंकज बाफना ने सभी बच्चों को शुभकामना देते हुए लक्ष्य में कामयाब होने के लिए विश्वास का होना जरूरी है। अच्छे संस्कारों के द्वारा ही संस्कृति को बचाया जा सकता है शिक्षा और संस्कार जिंदगी जीने के मूल मंत्र है- शिक्षा कभी झुकने नहीं देगी और संस्कार कभी गिरने नहीं देंगे। संघ के समिति सदस्य विनोद मुथा, महेंद्र बंदा, शैलेश कवाड़ ने परीक्षा का संचालन किया। संस्कार वाटिका के सदस्यों ने सहयोग किया।

आनंदकुमार नाहर बने विजयनगर वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ ट्रस्ट के अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां विजयनगर के वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ ट्रस्ट द्वारा आगामी दो वर्ष के लिए नई कार्यकारिणी का चयन किया गया। यहां आयोजित साधारण सभा में अध्यक्ष पद हेतु चुनावी प्रक्रिया के तहत चुनाव अधिकारी नेमीचन्द दलाल के नेतृत्व में वरिष्ठ श्रावक आनंदकुमार नाहर को सर्वसम्मति से ट्रस्टियों द्वारा चयन किया गया। जिसकी चुनाव अधिकारी ने विधि घोषणा की।ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार कोठारी व मंत्री कन्हैया लाल सुराणा के साथ सभी पूर्व अध्यक्षों वसंतकुमार रांका, सुरेशचंद बोहरा व पुखराज मेहता ने नव निर्वाचित अध्यक्ष का शॉल ओढाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया।

नव अध्यक्ष आनदकुमार नाहर ने संघ द्वारा इतना बड़ा विश्वास जताने के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मेरी जिम्मेदारियां बढ़ा दी गई हैं। आप सभी के विश्वास पर मैं खरा उतरने का प्रयास करूंगा। जल्द ही 12 सदस्यों की टीम घोषित की जाएगी जो आप सभी के सहयोग से संभव है। पूर्व अध्यक्ष वसन्तराज रांका व पुखराज मेहता ने इस कार्यकारिणी के सुंदर कार्यो व साध्वीश्री प्रतिभाश्री जी का यशस्वी चातुर्मास करवाने हेतु अनुमोदना करते हुए धन्यवाद दिया। मंत्री कन्हैया लाल सुराणा ने दो वर्षों में सभी से प्राप्त प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग हेतु धन्यवाद प्रदान किया। अध्यक्ष राजेंद्र कुमार कोठारी ने आगे भी इसी प्रकार सहयोग प्रदान करने की विनती की। संघ के सहमंत्री सुनील लोढ़ा ने पधारे हुए सभी का शांतिपूर्ण गरिमामय तरीके से अध्यक्ष के चयन हेतु आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बेलन्दूर स्थित एक एपार्टमेंट के क्लब हाउस में स्थानीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण परिवार एवं बेलन्दूर मारवाड़ी व्यापार संघ ने अतिथि परंपरा के तहत शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के मुख्य कार्यवाह एवं सूर्य मंदिर निर्माण के लाभार्थी सुनील शर्मा का माला पहनाकर, साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस मौके सुनील शर्मा, तेजराज शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, गौतम शर्मा, भूपेश कश्यप, अरुण शर्मा, चेतन शर्मा, आदि उपस्थित थे।

सरकारी स्कूल में 10 बेंच एवं पुस्तकालय का निर्माण करवाया

बेंगलूरु। यशवंतपुर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सरकारी स्कूल में कन्या सुरक्षा योजना के तहत 10 बेंच लगवाई गई। निर्माण योजना के अंतर्गत पुस्तकालय का निर्माण किया गया। मंडल की अध्यक्ष मीना दक ने स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय टीम के आने से स्थानीय मंडल का उत्साह दुगुना हो जाता है उनके निर्देशानुसार कार्य करने से कार्यो की श्रेष्ठता बढती है। स्कूल के प्रशिक्षकों के सहयोग से लाइब्रेरी का निर्माण हो पाया और अपेक्षानुसार बच्चों की सुविधा हेतु बेंच लगाए गए। सभाध्यक्ष गौतम मुथा ने राष्ट्रीय समिति के साथ स्थानीय मंडल के कार्यो की सराहना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मंडल के आयामों की जानकारी देते हुए स्कूल विभाग एवं बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मंडल बच्चों की शिक्षा एवं उनमे नैतिकता एवं चारित्र निष्ठा बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है। नीतू ओस्तवाल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ये ही भावी नागरिक है इसलिए इन्हें संस्कारित बनाने मे हमे भी सहयोग करना चाहिए।

बेंच का अनावरण एवं लाइब्रेरी का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा एवं महामंत्री नीतू ओस्तवाल द्वारा हुआ।

आचार्य विमलसागर के चातुर्मास को लेकर हुई बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। आगामी 2024 में श्री कल्याण मित्र वर्षावास समिति के नेतृत्व में आचार्य श्रीविमलसागरसूरीश्वरजी म. सा. के चातुर्मास की तैयारियों को लेकर रविवार को एक बैठक की गई। सिद्धार्थ लेआउट के गुरु शिक्षक भवन में तैयारियों को लेकर समिति के सदस्यों ने बैठक की। स्थल का निरीक्षण किया गया। स्थल पर और क्या क्या व्यवस्था की जानी चाहिए उस पर रूपरेखा तय की गई। चातुर्मास से पहले सभी तैयारियों को पूर्ण करने के साथ पूरे मैसूरु के सभी संघ संस्थाओं का कार्यक्रम में सहयोग लिया जाएगा। बैठक में आज समिति के अशोककुमार जैन, कांतिलाल जैन, प्रवीण जैन, गौतम जैन, वसंत जैन, भवरलाल जैन, ललित जैन, विशाल जैन के साथ समीक्षा बैठक हुई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.